केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

अहंकार सत्य को स्वीकार नही करता और सत्य को जानने वाला कभी अहंकार नही करता।

वर्ष : 16 अंक : 295 | उज्जैन, मंगलवार 07 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक करें उपयोग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गाँव परस्पर जुड़ेंगे तो सुगम हो जाएगी आवागमन सुविधा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों में आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए। कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए ड्रोन का उपयोग हो। सिपरी साफ्टवेयर न सिर्फ डीपीआर तैयार करने की दृष्टि से उपयोगी है बल्कि सड़क के साथ पुल-पुलियों की आवश्यकता दर्शाने में भी इसका उपयोग हो रहा है। सड़क निर्माण कार्यों को पूर्ण करने में वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग शुरू करना सराहनीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को समत्व भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सुगम संपर्कता परियोजना संबंधी बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि गत माह शुरू किए गए राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान की विभागीय स्तर पर प्रति सप्ताह समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ÷एक बगिया मां के नाम÷ अंतर्गत की गई गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में आमजन की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि परियोजना में प्रदेश में एक हजार करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण कराया जाएगा तथा 100 से अधिक आबादी वाले मजरों-टोलों को सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती दीपाली रस्तोगी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परियोजना की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि परियोजना में सड़कों का निर्माण मनरेगा अर्थात वीबी-जी-राम-जी योजना में से करवाया जाएगा। इसके लिए प्रदेश की प्रत्येक जनपद पंचायत तीन करोड़ तक की स्वीकृति प्रदान कर सकेगी। ÷सुगम संपर्कता परियोजना÷ के माध्यम से गांवों, ग्राम पंचायतों को दोहरी संपर्कता प्रदान की जाएगी।

पूर्व से निर्मित सड़कों की जियो इंवेंट्री- सुगम संपर्कता परियोजना की विशेषता यह है कि इसमें पूर्व में बनी सड़कों की रिम्स पोर्टल के माध्यम से जियो-इंवेंट्री की जा रही है। इससे नई सड़कों के चयन में दोहराव की स्थिति नहीं बनेगी। जियो इंवेंट्री में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, पीएमजीएसवाय, मुख्य जिला सड़क और संपर्कता ऐप से चयनित सड़कें शामिल हैं।

जियो- इंवेंट्री का आधा कार्य पूर्ण- निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 33 हजार 655 सड़कों में से 17 हजार 437 सड़कों की जियो इंवेंट्री का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही 9 जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। रतलाम, जबलपुर, आगर-मालवा, मंदसौर और पन्ना जिले इस कार्य में अग्रणी हैं।

सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग स्थल चयन में- सुगम संपर्कता परियोजना के तहत 2 गांवों, ग्राम पंचायतों, मजरों-टोलों और विद्यार्थियों के हित में सांदीपनि विद्यालयों तक बनने वाली सड़कों के लिए स्थान का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया जा रहा है। सड़कों की डीपीआर तैयार करने के लिए भी इस सॉफ्टवेयर और रिम्स पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। नई प्रस्तावित सड़कों का सर्वे में भी तकनीक उपयोग में लाई जा रही है। सर्वे की गई सड़कों में कार्य स्थल के हिसाब से सड़क निर्माण का प्राक्कलन सॉफ्टवेयर के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा सड़क निर्माण में किस जगह पर पुल-पुलिया एवं कल्वर्ट की आवश्यकता है, ये भी सॉफ्टवेयर द्वारा बताया जा रहा है। इस प्रकार परियोजना में सड़क निर्माण के कार्य स्थल के चयन से लेकर डीपीआर तैयार करने तक का कार्य वैज्ञानिक पद्धति से हो रहा है।

जिला स्तर पर बनेंगे प्रस्ताव, स्वीकृत भी होंगे - परियोजना अंतर्गत प्रदेश में 7 हजार 135 नवीन सड़कों का प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। प्रदेश के 29 जिलों में 1771 नवीन सड़कों का प्रस्ताव जिला स्तर पर स्वीकृत किया जा चुका है। परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी अमले को तकनीकी बारीकियों का प्रशिक्षण भी दिया गया है। इसमें राज्य स्तर से 2100 से अधिक तकनीकी स्टॉफ और विभिन्न श्रेणी के अभियंताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

न्यूज ब्रीफ

साथानकुलम कस्टोडियल किलिंग केसः मदुरै डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 9 पुलिसकर्मियों को सुनाई मौत की सजा

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु के मदुरै की एक अदालत ने सोमवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साल 2020 में व्यापारी पी. जयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की हिरासत में हुई मौत मामले में नौ पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई है। यह मामला लॉकडाउन के दौरान हुई क्रूर कस्टोडियल यातना से जुड़ा हुआ है। घटना 19 जून 2020 की है। थूथुकुडी जिले के साथनकुलम में मोबाइल शॉप चलाने वाले 59 साल के पी. जयराज और उनके 31 साल के बेटे जे. बेनिक्स को लॉकडाउन नियम तोड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि उन्होंने दुकान समय से ज्यादा खुली रखी थी। बाद में यह आरोप गलत साबित हुआ। पुलिस स्टेशन में दोनों को क्रूर यातना दी गई। रिश्तेदारों ने बताया कि उनको लाठियों से पीटा गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। एक महिला कांस्टेबल ने गवाही दी कि स्टेशन में टेबल और लाठियों पर खून के निशान थे। अगले दिन दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की मौत हो गई। इससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया। मद्रास हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ली। सीबीआई ने 10 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया, जिनमें इंस्पेक्टर एस. श्रीधर, सब-इंस्पेक्टर पी. रघु गणेश, के. बालकृष्णन, हेड कांस्टेबल एस. मुरुगन, ए. सामीदुरई और कई कांस्टेबल शामिल थे। एक आरोपी की जांच के दौरान कोविड से मौत हो गई। मदुरै की पहली अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत के जज जी. मुथुकुमारन ने सभी 9 आरोपियों को हत्या समेत अन्य धाराओं में दोषी ठहराया। अदालत ने पाया कि पुलिस ने झूठे मामले में गिरफ्तारी की और यातना देकर दोनों को मार डाला।

तेल से दाल तक पर दिखने लगा असर, महंगाई से निपटने के लिए सरकार का प्लान B तैयार

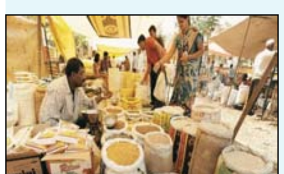

नई दिल्ली/ जीएनएस। कच्चे तेल के बढ़ते दाम और आयात में होने वाली दिक्कत की वजह से घरेलू स्तर पर महंगाई बड़ी चुनौती बन कर उभर रही है। खुदरा महंगाई खास कर खाद्य वस्तुओं की कीमतों को काबू में रखने के लिए सरकार ने सभी दाल के आयात को शुल्क मुक्त कर दिया है। अब खाद्य तेल के आयात शुल्क में कटौती करने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। घरेलू स्तर पर खाद्य तेल की खपत का 70 प्रतिशत आयात किया जाता है और इनमें भी सबसे अधिक पाम आयल का आयात होता है। गत 28 फरवरी को ईरान युद्ध आरंभ होने के बाद से खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में 10 रुपए प्रति लीटर से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। मार्च महीने में पाम आयल के आयात में पिछले साल मार्च के मुकाबले लगभग 20 प्रतिशत की कमी बताई जा रही है। पाम आयल का दाम बढ़ने से सरसों के तेल भी 10 प्रतिशत से अधिक महंगे हो गए हैं। भारतीय व्यंजन में खाद्य तेल का अधिक इस्तेमाल के कारण इसे रसोई का अहम हिस्सा माना जाता है।सूत्रों के मुताबिक दाल की तरह ही अब खाद्य तेल के आयात को कुछ महीनों के लिए आयात शुल्क से मुक्त किया जा सकता है। अभी खाद्य तेल पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगता है। हालांकि खाद्य तेल में घरेलू रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए किसान खाद्य तेल पर शुल्क बढ़ाने की मांग करते रहे हैं। फिलहाल खाद्य तेल महंगा होने से एफएमसीजी सेक्टर के कई आइटम की लागत बढ़ रही है और कंपनियां अब उन आइटम का दाम बढ़ाने वाली है या फिर बढ़ाना शुरू कर दिया है।दाल की कीमत को नियंत्रण में रखने के लिए वर्ष 2027 मार्च तक तुअर, उड़द, मूंग व पीली मटर के आयात को पूरी तरह से शुल्क मुक्त कर दिया गया है। कोरोना काल में घरेलू स्तर पर खाद्य संकट को टालने के लिए गेहूं व चावल जैसे महत्वपूर्ण आइटम के आयात पर रोक लगा दी गई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संसद से खारिज, पद से हटाने के लिए 193 सांसदों ने किए थे साइन

नई दिल्ली/ जीएनएस। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

ज्ञानेश कुमार को पूरे देश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में उनके आचरण को लेकर विपक्ष की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा था।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज- ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर लोकसभा के 130 सांसदों और राज्यसभा के 63 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इस तरह कुल 193 सांसदों ने ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए साइन किए।

10 पन्नों के इस नोटिस में सात आरोपों की एक सूची शामिल थी। इन आरोपों में ष्टश्वष्ट के पक्षपातपूर्ण आचरण से लेकर बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने तक के मामले शामिल थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के तीखे सवाल- विपक्ष ने संसद में यह भी मुद्दा उठाया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार जैसे पिछले चुनावों और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होने वाले आगामी चुनावों में स्ढ्ढक्रप्रक्रिया को किस तरह से संभाला। नोटिस में उनके साथ दुर्व्यवहार और किसी एक राजनीतिक दल के प्रति उनके पक्षपातपूर्ण आचरण जैसे मुद्दों का भी जिक्र किया गया है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ यह नोटिस विपक्षी दलों के बढ़ते आरोपों के बाद आया था। इस नोटिस को तृणमूल कांग्रेस ने आगे बढ़ाया था।

उच्च शिक्षण संस्थानों को वैश्विक पहचान दिलाने आगे आया शिक्षा मंत्रालय, QS रैंकिंग 2027 में भाग लेने पर जोर

नई दिल्ली/ जीएनएस। विश्वविद्यालयों सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने एक अहम पहल शुरू की है। जिसमें वह देश के उच्च शिक्षण संस्थानों को वैश्विक क्यूएस (क्वाक्केरेली साइमंड्स) रैंकिंग से जुड़ी प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने का काम शुरू किया है। इस दौरान संस्थानों से क्यूएस रैंकिंग 2027 के लिए मांगी जा रही जानकारी निर्धारित समय के भीतर मुहैया कराने को कहा है। साथ ही कहा है कि यदि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान को इसके लिए आवेदन करने में दिक्कत आ रही है तो वह उन्हें जरूरी मदद भी मुहैया कराएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस बीच शिक्षा मंत्रालय की ओर से पहली बार उठाए गए इन कदमों को देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ साझा किया है। साथ ही कहा है कि क्यूएस रैंकिंग 2027 की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लिए आवेदन लिए जा रहे है।

ऐसे में वह भी 12 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से आवेदन कर दें। शिक्षा मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक इस पहल के जरिए देश के उच्च शिक्षण संस्थानों को जहां वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना है, वहीं उन्हें वैश्विक मानकों के अनुरूप सक्षम भी बनाना है। वैसे भी देश में उच्च शिक्षा का एक बड़ा ढांचा है। जिसमें करीब 12 सौ विश्वविद्यालय और 45 हजार से अधिक कालेज है।

गौरतलब है कि दुनिया भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग करने वाली लंदन स्थित संस्था क्यूएस की रैंकिंग प्रतिस्पर्धा में पिछले वर्ष यानी 2026 में देश के 54 संस्थानों ने हिस्सा लिया था। इनमें शीर्ष दो सौ संस्थानों में देश के तीन संस्थानों ने जगह बनाई थी।

हास्यास्पद..., असम CM की पत्नी ने पासपोर्ट विवाद पर दिया जवाब; पाकिस्तानी वीजा पर गोगोई पर किया पलटवार

असम/ जीएनएस। असम में 9 अप्रैल को मतदान होना है। इससे पहले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिंकी भुयान विवादों में घिर गए हैं।

कांग्रेस ने सरमा की पत्नी पर तीन-तीन देशों के पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया है। हालांकि, अब इसपर उनकी प्रतिक्रिया सामने आई है।

रिंकी ने इन सवालों को बेहद हास्यास्पद करार दिया है साथ ही गौरव गोगोई से उनकी पत्नी के पाकिस्तान में बैंक खाते के बारे में खुलासा करने की मांग की है।

रिंकी भुयान ने दिया जवाब- रिंकी भुयान शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं सस्पेंस खत्म करती हूं और खुद इन हंसने वाले सवालों का जवाब देती हूं। न मैं, न मेरे बच्चे और न ही मेरे पति की दुबई या भारत के बाहर कहीं कोई बिजनेस या संपत्ति है। अब आपकी बारी। क्या आप बता सकते हैं कि आपकी पत्नी के पास कभी पाकिस्तान में बैंक अकाउंट था या है? और क्या आप उसकी डिटेल्स सार्वजनिक करेंगे?

बदनाम करने की साजिश चल रही÷ रिंकी भुयान- उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले दो साल से उनकी फैमिली को बदनाम करने की साजिश चल रही है। रिनीकी ने कहा, कांग्रेस के टॉप से लेकर बेस लेवल तक उन्हें लोगों को बदनाम करने के अलावा कुछ नहीं सूझता।

अगर सरकारी तंत्र फेल होता है, तो...., बंगाल के SIR अधिकारियों को खतरे पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को उन न्यायिक अधिकारियों को मिल रही धमकियों के बारे में चेतावनी दी है, जो इस महीने के आखिर में होने वाले दो चरणों के चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के विशेष गहन संशोधन के काम में लगे हुए हैं।

पिछले हफ्ते की घटना के संदर्भ में, जिसमें सात अधिकारियों को उन वोटरों ने बंधक बना लिया था जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। कोर्ट ने कहा, अगर सरकारी तंत्र फेल होता है, तो हम देखेंगे कि क्या करना है।

शीर्ष अदालत ने ममता की धमकी पर जताई नाराजगी- शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए एक वीडियो पर भी नाराजगी जाहिर की, जिसमें कथित तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के जवानों को धमकी दी थी।

चुनाव आयोग ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री महिलाओं और लड़कियों से पोलिंग बूथ पर मौजूद रहने और जरूरत पड़ने पर जरूरी हालात से निपटने के लिए रसोई के बर्तनों का इस्तेमाल करने की अपील की थी।

महिला न्यायिक अधिकारी ने बताया अपनी जान को खतरा- सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने एक रिपोर्ट का भी जिक्र किया, जिसमें एक महिला न्यायिक अधिकारी ने दावा किया था कि उसे अपनी जान का खतरा है और उसने गुजारिश की थी कि उसकी हत्या हो जाती है, तो उसके बच्चों की देखभाल की जाए।

अगर सरकारी तंत्र फेल होता है, तो हम देखेंगे- सीजेआई- चुनाव आयोग की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील डीएस नायडू ने कहा, भड़काऊ बयानबाजी से माहौल और खराब ही होगा, जिस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, अगर सरकारी तंत्र फेल होता है, तो हम देखेंगे।

PM Modi पर विवादित ट्वीट रहेंगे ब्लॉक, आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले एक्स अकाउंट पर दिल्ली HC का फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। डॉ. निमो यादव नाम के एक्स अकाउंट को बहाल करने का सोमवार को आदेश देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पीएम नरेन्द्र मोदी से संबंधित आपत्तिजनक पोस्ट अभी ब्लॉक ही रहेंगे।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने एक्स अकाउंट चलाने वाले व्यक्ति को एक रिव्यू कमेटी के सामने पेश होने का निर्देश दिया, ताकि यह जांच की जा सके कि क्या इन पोस्ट को ब्लॉक रखना जारी रखना होगा।

अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार को सामग्री पर नजर रखने की पूरी आजादी है और अगर आगे कोई और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की जाती है, तो वह कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

19 मार्च को केंद्र सरकार के आदेश पर ब्लॉक हुआ था अकाउंट - अदालत ने यह आदेश डॉ. निमो यादव नाम से एक्स अकाउंट चलाने वाले प्रतीक शर्मा की याचिका पर दिया। इस अकाउंट को 19 मार्च को केंद्र सरकार के आदेश के बाद भारत में ब्लॉक कर दिया गया था। प्रतीक शर्मा ने अपने अकाउंट को ब्लॉक किए जाने को चुनौती दी। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि इस हैंडल को इसलिए ब्लॉक किया गया था, क्योंकि सरकार ने पाया कि यह प्रधानमंत्री से जुड़े झूठे नैरेटिव फैला रहा था और उन्हें गलत तरीके से पेश कर रहा था।

सीएम योगी 7 अप्रैल देंगे 5142 करोड़ की ग्रेटर आगरा योजना की सौगात, विशाल जनसभा को भी करेंगे संबोधित

आगरा/ जीएनएस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 7 अप्रैल को ताजनगरी आगरा के लोगों को एक ऐतिहासिक सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री 5142 करोड़ रुपये की लागत वाली महत्वाकांक्षी ग्रेटर आगरा योजना का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह टाउनशिप के मॉडल का अवलोकन भी करेंगे। इसके साथ ही जनपद के विभिन्न विभागों की करोड़ों रुपये की अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री वृंदावन में श्रीमद् जगतगुरु द्वाराचार्य श्री मलूकनाथ जी महाराज की 452 वीं जयंती महोत्सव में भी शिरकत करेंगे और करीब एक घंटा महोत्सव में रहेंगे।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी ग्रेटर आगरा टाउनशिप- योगी सरकार की नए शहर प्रोत्साहन योजना और शहरी विस्तारीकरण के तहत आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा इस विशाल टाउनशिप का निर्माण किया जा रहा है। ग्राम रायपुर और रहन कलां की 449.65 हेक्टेयर भूमि पर 10 अत्याधुनिक आवासीय टाउनशिप बसाई जाएंगी। ग्रेटर आगरा विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस होगा, जिसमें बेहतरीन पार्क, चौड़ी सड़कें, निर्बाध बिजली-पानी की आपूर्ति और सभी आधुनिक सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह योजना आगरा के आवासीय स्वरूप को पूरी तरह बदल देगी।

जनसभा को करेंगे संबोधित- प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 7 अप्रैल को 4÷25 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर एक्सप्रेसवे के समीप रायपुर रहन कलां स्थित कार्यक्रम स्थल पर उतरेगा। वहां आगरा के प्रभारी मंत्री/ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह उनका भव्य स्वागत करेंगे। दोपहर 4÷30 बजे मुख्यमंत्री ग्रेटर आगरा योजना का शिलान्यास व भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद वह करोड़ों रुपये की अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कर एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शाम करीब 5÷25 बजे मुख्यमंत्री आगरा से प्रस्थान करेंगे। प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दी जा रही ग्रेटर आगरा की यह सौगात शहर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। यह एक विश्वस्तरीय परियोजना है। कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए हमने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। सभी अधिकारियों को जनसभा, सुरक्षा, पार्किंग और हेलीपैड की व्यवस्थाओं को समय से और पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

मंथन कुटीर ग्रंथालय का शुभारंभ, वैचारिक जागरूकता की दिशा में नया कदम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति, इंदौर द्वारा ज्ञान, चिंतन और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आधुनिक ग्रंथालय मंथन कुटीर का शुभारंभ सुदर्शन भवन, पंत वैद्य कॉलोनी में किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश सोनी ने ग्रंथालय का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता ईश्वरदास हिंदूजा ने की।

अपने उद्बोधन में श्री सुरेश सोनी ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन के लिए केवल क्रियात्मक कार्य ही नहीं, बल्कि गहन वैचारिक मंथन भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय विचारों का केंद्र होता है, जहां अध्ययन और चिंतन के माध्यम से समाज को दिशा मिलती है। वैचारिक स्पष्टता और अध्ययन में रुचि रखने वाले लोगों के कारण ही किसी भी पुस्तकालय की सार्थकता सिद्ध होती है।

समिति के उपाध्यक्ष रुपेश पाल और सचिव राकेश कुमार यादव ने जानकारी दी कि मंथन कुटीर में देश-विदेश के प्रख्यात लेखकों की हजारों पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध रहेगा। इसमें धर्म, राजनीति, विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, साहित्य सहित विभिन्न विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथ शामिल किए गए हैं, जिससे पाठकों को विविध क्षेत्रों में ज्ञान अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मनीष नीम ने बताया कि यह ग्रंथालय केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एक विचार मंच के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां विद्यार्थी, शोधकर्ता, प्रबुद्धजन और आम नागरिक एकत्र होकर अध्ययन, संवाद और विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल समाज में सकारात्मक सोच और बौद्धिक जागरूकता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

यह ग्रंथालय सभी वर्गों के लिए खुला रहेगा, जहां कोई भी इच्छुक व्यक्ति आकर पठन-पाठन कर सकता है। भविष्य में यहां व्याख्यान, संगोष्ठी, पुस्तक चर्चा और विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे समाज में ज्ञान और संवाद की परंपरा को और सशक्त बनाया जा सके।

कागजों की सड़क पर दौड़ती विकास की गाड़ी, जमीन पर अब भी इंतजार!

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में विकास की रफ्तार इतनी तेज हो चुकी है कि अब सड़कें बनने से पहले ही पूर्ण घोषित हो जा रही हैं। जी हां, एक ऐसी ही अनोखी सड़क की कहानी सामने आई है, जो कागजों में तो 2022 में ही बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन जमीन पर आज तक उसका नामोनिशान नहीं है।

मामला कुछ यूं है कि वर्ष 2022 में इस सड़क के लिए ?13,35,000 का टेंडर हुआ, भूमि पूजन हुआ, फाइलों में सड़क बनकर 100त्र पूर्ण भी हो गई, बिल पास हुआ और पैसा भी आराम से निकल गया। बस एक छोटी-सी कमी रह गई—सड़क बनना भूल गए! अब कहानी में नया ट्विस्ट 2026 में आया है। वही सड़क, जो पहले ही कागजों पर बन चुकी थी, उसके लिए नगर निगम ने ?21,69,353 का नया टेंडर जारी कर दिया है। यानी पहली बार सड़क अदृश्य थी, अब शायद अपग्रेडेड अदृश्य सड़क बनने जा रही है।

अब सवाल यह उठता है कि जब पहली बार सड़क बन ही गई थी (कम से कम कागजों में), तो दूसरी बार किस चीज़ का टेंडर निकाला गया? क्या पहली सड़क हवा में बन गई थी, या फिर दूसरी बार उसे जमीन पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है?

यह पूरा मामला विकास की उस नई परिभाषा को दर्शाता है, जहां सड़कें नहीं, बल्कि बजट बनते हैं; निर्माण नहीं, बल्कि भुगतान होता है। और जनता? वो हर बार की तरह सिर्फ टैक्स भरने और सवाल पूछने तक सीमित रह जाती है।

लगता है अब शहर में दो तरह की सड़कें होंगी—एक जो दिखती हैं, और दूसरी जो सिर्फ फाइलों में दौड़ती हैं।

अक्षय तृतीया से पहले सभी जिलों में कंट्रोल रूम और उड़न दस्ते बनाने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाले सामूहिक विवाह में बाल विवाहों को रोकने के लिए राज्य सरकार ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती जी वी रश्मि ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बाल विवाह की घटनाओं को शून्य करने और किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण नेशनल फ़ैमिली हेल्थ सर्वे(हस्न॥स्-5) के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में बाल विवाह के मामलों में कमी आई है, लेकिन कुछ जिलों में अभी भी यह समस्या बनी हुई है। अक्षय तृतीया इस वर्ष 20 अप्रैल 2026 को है और इस दिन प्रदेश में बड़ी संख्या में सामूहिक विवाह आयोजित होते हैं। ऐसे आयोजनों में बाल विवाह होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन को विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशानुसार स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। 20 अप्रैल को ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पंच, सरपंच, सचिव और पार्षद बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ लेंगे तथा पंचायत और वार्ड कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों और आंगनबाड़ी के बच्चों की जागरूकता रैलियां भी निकाली जाएंगी।

बैठक में फायर सेफ्टी, ट्रैफिक और जनसेवा पर कलेक्टर सख्त, लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा (टीएल) बैठक आयोजित हुई, जिसमें सीएम हेल्पलाइन, राजस्व प्रकरणों और शहरी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में फायर सेफ्टी, ट्रैफिक प्रबंधन, बेसमेंट पार्किंग और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए सख्त निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्रीमती निशा डामोर, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

फायर सेफ्टी पर प्रशासन सख्त- कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शहर की जी+3 कमर्शियल बिल्डिंग्स, जहां अधिक भीड़ रहती है, वहां अनिवार्य रूप से फायर सेफ्टी सिस्टम, उपकरण और मॉक ड्रिल की व्यवस्था होनी चाहिए। इस संबंध में आम सूचना जारी होने के बाद 15 दिन की अवधि लगभग समाप्त हो रही है। इसके बाद जांच में कमी मिलने पर बिल्डिंग सील की जाएगी। बिल्डिंग बायलॉज के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण, नोटिस और फायर ड्रिल कराई जा रही है, ताकि आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके।

खामोश वेदना- प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दम तोड़ता युवा मन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की युवा शक्ति को देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला माना जाता है, किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग एक गहन और अदृश्य संकट से जूझ रहा है—मानसिक स्वास्थ्य का संकट। यह एक ऐसी खामोश वेदना है, जो बाहर से भले ही दिखाई न दे, पर भीतर ही भीतर व्यक्तित्व को खोखला कर रही है।

आधुनिक युग में सफलता की परिभाषा अत्यंत सीमित और प्रतिस्पर्धात्मक हो गई है। उत्कृष्ट अंक, प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश और उच्च वेतन वाली नौकरी—यही मानक युवाओं के सामने स्थापित कर दिए गए हैं। इन अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर युवा निरंतर तनाव, असुरक्षा और आत्म-संदेह से घिरता जा रहा है। असफलता का भय और भविष्य की अनिश्चितता उसके मनोबल को कमजोर कर रहे हैं।

सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। आभासी दुनिया में प्रदर्शित कृत्रिम सफलता और निरंतर तुलना की प्रवृत्ति युवाओं के आत्मसम्मान को आहत करती है। परिणामस्वरूप, वे स्वयं को दूसरों से कमतर आंकने लगते हैं और एक अंतहीन मानसिक संघर्ष में उलझ जाते हैं।

अवसाद, चिंता और अकेलेपन जैसी समस्याएँ आज सामान्य होती जा रही हैं, किंतु समाज में इन विषयों पर खुलकर संवाद का अभाव है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर व्याप्त कलंक और झिझक युवाओं को अपनी पीड़ा व्यक्त करने से रोकती है, जिससे यह समस्या और विकराल रूप धारण कर लेती है।

इस गंभीर परिस्थिति में यह अनिवार्य हो जाता है कि मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही महत्व दिया जाए। शैक्षणिक संस्थानों में परामर्श सेवाओं को सुदृढ़ करना, परिवारों में संवेदनशील संवाद को प्रोत्साहित करना और समाज में जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है।

समय की मांग है कि हम इस खामोश वेदना को पहचानें और इसे अनदेखा करना बंद करें। एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण तभी संभव है, जब उसकी युवा पीढ़ी मानसिक रूप से स्वस्थ, आत्मविश्वासी और संतुलित हो।

यातायात पुलिस का सख्त अभियान, 216 नो-पार्किंग व 46 वन-वे उल्लंघन पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में चारों जोन में पेट्रोलिंग टीमों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 6 अप्रैल को विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाते हुए यातायात पुलिस ने 216 नो-पार्किंग, 46 वन-वे उल्लंघन और 15 वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। साथ ही अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी चालानी कार्रवाई की गई और सैकड़ों वाहनों को नो-पार्किंग क्षेत्रों से हटवाया गया।

यातायात पुलिस की पेट्रोलिंग एवं व्हील लॉक टीमों ने भमोरी, राजवाड़ा, एबी रोड, एयरपोर्ट रोड सहित शहर के प्रमुख मार्गों और व्यस्त बाजारों में लगातार भ्रमण कर अव्यवस्थित पार्किंग और ट्रैफिक बाधाओं पर नियंत्रण किया। जोनवार कार्रवाई के तहत अन्नपूर्णा रोड, इमली बाजार, विजयनगर, 56 दुकान, पलासिया, सराफा, जवाहर मार्ग सहित कई प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई।

पेट्रोलिंग टीमों की सक्रियता से शहर में सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर अवैध पार्किंग में कमी आई है, यातायात का प्रवाह पहले की तुलना में अधिक सुगम हुआ है और वाहन चालकों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में त्वरित यातायात प्रबंधन संभव हो पा रहा है, जिससे जाम की स्थिति में भी कमी आई है।

बस्ती बेमिसाल अभियान के तहत स्लम कार्निवल, 57 हजार किलो अनुपयोगी सामग्री का हुआ संग्रहण व वितरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने और जनभागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा घर की सफाई - 3 आर कलेक्शन ड्राइव और बस्ती बेमिसाल अभियान के तहत विशेष पहल की जा रही है। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार इस अभियान का संचालन किया गया।

अभियान के अंतर्गत नगर निगम की टीमों ने घर-घर जाकर अनुपयोगी सामग्री का संग्रहण किया, जिसके परिणामस्वरूप शहरभर से 57 हजार किलोग्राम से अधिक सामग्री एकत्रित की गई। इस सामग्री में कपड़े, किताबें, खिलौने, साइकिल, खेल सामग्री एवं इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं, जिन्हें पुनः उपयोग के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

बस्ती बेमिसाल अभियान के तहत शहर की 29 से अधिक स्लम बस्तियों में स्वच्छता गतिविधियों के साथ स्लम कार्निवल का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी क्रम में जोन क्रमांक 18 के वार्ड क्रमांक 51 स्थित शिवनगर स्लम क्षेत्र से एकत्रित सामग्री के वितरण की शुरुआत की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, मृदुल अग्रवाल एवं अपर आयुक्त प्रखर सिंह की उपस्थिति में जरूरतमंद नागरिकों को सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम के दौरान शिवनगर क्षेत्र में स्लम कार्निवल के अंतर्गत स्थानीय नागरिकों ने अपने घरों के सामने आकर्षक रंगोलियां बनाई और अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस आयोजन ने न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ किया।

अंतरराज्यीय गैंग का सदस्य गुरुग्राम से गिरफ्तार, कनाड़िया पुलिस को बड़ी सफलता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगातार हो रही चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कनाड़िया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अंतरराज्यीय गैंग सतपाल फौजी के एक सदस्य को हरियाणा के गुरुग्राम क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर विभिन्न राज्यों में चोरी, नकबजनी और लूट के दर्जनों मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी परमेंद्र सिंह (33), निवासी भिवानी (हरियाणा), थाना कनाड़िया के चार अलग-अलग प्रकरणों में लंबे समय से फरार था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में करीब आठ महीनों से लगातार ठिकाने बदल रहा था और उसने मोबाइल फोन का उपयोग भी बंद कर दिया था।

सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी सहर्ष यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसे गुरुग्राम भेजा गया। टीम ने मानेसर क्षेत्र में तीन दिनों तक लगातार ड्रोन कैमरे की मदद से निगरानी रखी और सटीक सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी के कब्जे से चोरी का सोने-चांदी का सामान और वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की आई-10 नियोस कार बरामद की गई है। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना कनाड़िया पुलिस के साथ जोन-2 साइबर सेल की टीम की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई को शहर में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

अग्नि दुर्घटना से बचाव हेतु कलेक्टर कार्यालय में मॉक ड्रिल आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्नि दुर्घटनाओं से प्रभावी बचाव एवं त्वरित राहत कार्यों के उद्देश्य से इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत आज कलेक्टर कार्यालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से आग लगने की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का पूर्वाभ्यास किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारियों को आग लगने के संभावित कारणों तथा ऐसी स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि आपात स्थिति में स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए किस प्रकार कार्य किया जाए।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को आग बुझाने के प्राथमिक उपकरणों के उपयोग, सुरक्षित निकासी (इवैक्यूएशन) प्रक्रिया तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में भी समझाया गया। व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कलेक्टर कार्यालय का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे सतर्कता और प्रशिक्षण के माध्यम से किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सदैव तैयार रहें।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित फायर मॉक ड्रिल के दौरान कहा कि जिले में व्यापक स्तर पर अग्नि सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जी प्लस थ्री एवं उससे ऊंची सभी इमारतों में आवश्यक फायर इक्विपमेंट्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा संबंधित भवनों को नोटिस जारी कर 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से फायर सेफ्टी उपकरण स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय-सीमा अब समाप्ति की ओर है और आगामी 4-5 दिनों में सख्ती के साथ कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जनजागरूकता के उद्देश्य से स्कूलों, हॉस्टलों और अधिक भीड़ वाले बाजार क्षेत्रों में भी नियमित रूप से फायर मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। इन मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को आपात स्थिति में सुरक्षित निकास (एग्जिट रूट), निर्धारित स्थान पर एकत्रित होने (असेंबली), घबराहट से बचने तथा उपलब्ध उपकरणों के सही उपयोग की जानकारी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि फायर टीम द्वारा विभिन्न संस्थानों में जाकर लाइव डेमो के जरिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित मॉक ड्रिल में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और आपात स्थिति से निपटने की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से समझा।

रैबीज का सुलभ उपचार शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों पर उपलब्ध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेबीज एक विषाणु जनित संक्रमण है जो मनुष्य में रेबीज पीड़ित जानवरों के काटने या खरोच से भी फैलता है। मुख्यतः यह बीमारी कुत्तों के काटने से होती है, इसके अलावा बिल्ली, नेवले, बंदर या अन्य गर्म खून वाले जानवरों के काटने या खरोंच से भी यह रोग फैलता है।

जानवरों के काटने पर या खरोंचने पर घाव को साबुन और बहते पानी से तुरंत धोएं व स्प्रिट/अल्कोहल या घरेलु एंटीसेप्टिक का इस्तेमाल करें।

घाव पर मिर्च, सरसों का तेल इत्यादि कोई अन्य पदार्थ न लगाये ओर अंधविश्वास से बचें।

घरेलु जानवरों का समय-समय पर टीकाकरण करवायें।

एंटी रेबीज क्लिनिक जाएं और चिकित्सक के परामर्श अनुसार टीकाकरण का कोर्स पूरा करें।

इंदौर में रेबीज से बचाव की जानकारी प्रदान करने के लिए शहरी क्षेत्र में सरवटे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, इंदौर चिड़ियाघर एवं विमानतल क्षेत्र में लगाए गए हैं, इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में देपालपुर, बेटमा एवं मानपुर बस स्टेंड तथा महू, सांवेर तथा हातोद के शासकीय चिकित्सालयों के परिसर में लगाए गए हैं। इस पर अंकित त्क्रकोड को स्कैन करने लिंक प्रदर्शित होगी, जिसे खोलने पर 26 सक्रिय शासकीय चिकित्सालयों की सूची प्रदर्शित होगी, जहाँ पर रेबीज टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध है। घाव गंभीर होने पर केटेगरी-3 बाईट रेबीज वैक्सीन के साथ रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन इंजेक्शन लगाया जाता है।

बेहतर पुलिसिंग के लिए कमिश्नर की बैठक, अपराध नियंत्रण व जनसहभागिता पर जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और पुलिसिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने सोमवार को पुलिस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। यह बैठक पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर. के. सिंह सहित सभी पुलिस उपायुक्त और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पुलिस कमिश्नर ने शहर में विगत अवधि में की गई पुलिस कार्यवाहियों की जोनवार समीक्षा की। इसमें गंभीर अपराधों, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, विवेचना, ई-एफआईआर, ई-साक्ष्य, ई-समंस, यातायात प्रबंधन, चेकिंग, ड्रोन पेट्रोलिंग और सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आयोजित मोहल्ला बैठकों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण को लेकर विशेष चिंता जताते हुए बताया गया कि 16 मार्च से 5 अप्रैल 2026 के बीच शराब पीकर वाहन चलाने वाले 2830 लापरवाह चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस आयुक्त ने इस तरह की कार्रवाई को और अधिक सख्ती और निरंतरता के साथ जारी रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, बाउंड ओवर और निगरानी बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही शातिर अपराधियों की जमानत निरस्तीकरण, न्यायालयीन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और बीट एवं माइक्रो बीट सिस्टम को और सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए। रात्रिकालीन चेकिंग को प्रभावी बनाने, ड्रोन पेट्रोलिंग के जरिए हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर नजर रखने और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित ब्रीफिंग व निरीक्षण करने की बात भी कही गई।

पुलिस कमिश्नर ने विवेचना कार्यों में तकनीकी संसाधनों जैसे ष्टष्टञ्जहस्, ई-विवेचना, ई-समंस और ई-वारंट के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। साथ ही ई-एफआईआर और जीरो एफआईआर की प्रक्रिया को और सुगम बनाने के निर्देश दिए। यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रमों को भी बढ़ाने की बात कही गई।

अवैध मादक पदार्थों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए योजनाबद्ध कार्रवाई करने और एनडीपीएस एक्ट के आदतन अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। आम नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता से सुनकर उनके त्वरित निराकरण पर भी विशेष जोर दिया गया।

सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने के उद्देश्य से मोहल्ला समितियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित कर नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने, महिला सुरक्षा, यातायात और साइबर अपराधों के प्रति जनजागरूकता फैलाने के निर्देश भी पुलिस अधिकारियों को दिए गए।

सिंगोली में पंचकल्याणक महोत्सव के पंचम दिवस पर मुनिचर्या के आहार पर उमड़े धर्मप्रेमी

पंचकल्याणक महोत्सव समिति द्वारा स्थानीय पत्रकारों का किया सम्मान

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ प्रांत के पावन पुण्य धरा पर योग प्रेरक 108 मुनिश्री प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में स्थानीय श्री दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव के पांचवें दिन तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव के मुनिचर्या के दौरान प्रथम आहार पर हजारों धर्मप्रेमियों ने भाग लिया।

सोमवार की सुबह बेला पर अयोध्या नगरी में देव स्तवन जिनाभिषेक नित्यार्चन के पश्चात परम पूज्य योग प्रेरक मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने जिनशासन व प्रथम आहार विधि के बाद सभी अयोध्यानगरी वासियों को ज्ञान से अवगत कराया।

दस बजे मुनि चर्चा के दौरान लंबी तपस्या करने के पश्चात ऋषभ मुनि आहार के लिए नगर में आते हैं। पूरे नगर वासी उनके रत्न फल खाने की विनती करते हैं, लेकिन मुनिराज मुस्कुराते हुए विधि न मिलने के कारण निकल जाते हैं।

नगरी नगरी गांव गांव विचरण कर हस्तिनापुर पहुंचते है, जहां श्रेयांश राजकुमार के यहां विधि मिलने पर उन्हें रस का आहार मिलता है।

जैसे ही आहार के रुप में रस की बूंदें मुनिराज की अंजली में आती है, वैसे ही आसमान से वर्षा रूपी अमृत की वर्षा होती है। जब तक आहार चलता है वर्षा चलती रहती है।

आहार पूरा होने के पश्चात वर्षा रुक जाती है। इस दौरान दोपहर को भगवान ऋषभ देव मूर्ति में महाराज श्री ने सूर्य मंत्रों का आत्म क्रियाओं से समावेश किया। सोमवार को प्रातः काल 6~00 बजे जाप आराधना, मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन, ज्ञानकल्याणक की पूजन , हवन, एवं तत्पश्चात अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज की अमृत वाणी में बताया कि इस संसार में सब नश्वर है क्योंकि चक्रवती भरत ने अपने भ्राता बाहुबली से भी दृष्टि, जल ,मल्ल, युद्ध किया फिर भी पराजय को प्राप्त हुआ कारण अधीनता स्वीकार नहीं की । चक्रवती भरत ने क्रोध मै आकर के चक्र छोड़ दिया परंतु वह राजा बाहुबली की परिक्रमा देकर वापस आ गया क्योंकि कुटुंब जन पर चक्र नहीं चलता तत्पश्चात राजा बाहुबली को वैराग्य आ गया वह वन कि ओर प्रस्थान कर गए और 1 वर्ष तक खड्गासन मै तपस्या की फिर भी उन को वैराग्य की प्राप्ति नहीं हुई जब यह चर्चा संपूर्ण नगर मै फैल गई तत्पश्चात भरत चक्रवती ने यह सुना तो वह पहुंचे और वह भगवान के मन का शल्य समझा और भरत ने कहा भगवान इस संसार में किंचित भी किसी का नहीं है मेरा भी कुछ नहीं है यह वचनों को सुन कर राजा बाहुबली को मोक्ष पद की प्राप्ति हो गई ओर आज विश्व की कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में विंध्यागिरी पर्वत पर स्थित भगवान बाहुबली की 57-58 फीट ऊंची विश्व प्रसिद्ध अखंड ग्रेनाइट प्रतिमा है।

कार्यक्रम के दौरान दोपहर को मंत्र आराधना, आदि वासना , तिलकदान , नेत्रोनमीलन , प्राण प्रतिष्ठा , सुरी मंत्र, केवलज्ञानुतोपत्ती ,समवशरण रचना ,गणधर पीठ पर विराजित मुनि श्री की मंगल देशना , ज्ञान कल्याणक पूजन , एवं रात्रिकालीन 7~00 भव्य मंगल महाआरती, स्थानीय पत्रकारों का जैन समाज द्वारा भव्य स्वागत सत्कार पंच कल्याणक महोत्सव के दौरान सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा पत्रकारों को भी सम्मानित किया जिसमें प्रमुख हरीश कुमार शर्मा , सुनील नागोरी ,सतीश कुमार सेन , सुनील जी , राजेश कुमार कोठारी, न, महबूब मेव, आजाद नीलगर , अतुल कुमार मेहर , मुकेश कुमार महेश्वरी, महेंद्र कुमार राठौर, एवं , निरंजन कुमार शर्मा।

मंदसौर में युवक को चाकू से गोदा, मृत्यु पर शव रख परिजनों का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गांधी चौराहे क्षेत्र से देर रात करीब 11 बजे चाकूबाजी की घटना सामने आई। नरसिंहपुरा निवासी 19 वर्षीय अरुण पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसके बाद इलाज के दौरान सोमवार सुबह युवक की मौत हो गई। सोमवार को गांधी चौराहे पर शव रख कर परिजनों ने प्रदर्शन किया एवं मांगो को ज्ञापन सौंपा है।

घटना के बाद अरुण पिता नानावटी बरगुण्डा को तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया लेकिन उसके पेट के कई अंग बाहर आ गए थे, जिससे हालत चिंताजनक बनी हुई है, इसलिए स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। लेकिन आज इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई। सीएसपी जितेंद्र कुमार भास्कर, थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर सहित पुलिस बल अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचा और तहकीकात शुरू की। साथ ही मौके पर दुकानों में लगे सीसीटीवी की जांच शरू की। जानकारी के अनुसार घटना के समय कुल चार लोग मौजूद थे, जिनमें से रोहित भाटी और युवराज माली नामक युवकों ने अरुण पर चाकू से हमला किया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।घटना के बाद जिला चिकित्सालय में भी काफी भीड़ एकत्रित हो गई थी ऐसे में पुलिस ने मोर्चा संभाला और हालात नियंत्रण में किए।

एक महीने पुराने विवाद से जुड़ा मामला- बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच करीब एक महीने पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। रविवार रात जब दोनों पक्ष आमने-सामने आए तो विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और चाकूबाजी की घटना हो गई। थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर के अनुसार अस्पताल पुलिस चौकी से सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि युवराज माली और रोहित भाटी ने अरुण पर चाकू से हमला किया।

डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की अग्रणीय संस्था डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंगोली में दिनांक 06/04/2026 सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि महानुभावों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर अक्षत कुमकुम तिलक लगाकर दीप प्रज्वलन करके की गई। कक्षा-5वीं और 8वीं के बालक-बालिकाओं को तिलक लगाकर, माला पहनाकर पुरस्कार प्रदान किया गया। कक्षा 8वीं में लक्ष्यराज मेहता 93.5% (नगर में द्वितीय स्थान), गुंजन धाकड़ 93.16% (नगर में तृतीय स्थान), अंजलि धाकड़ 92.3त्न और कक्षा 5वीं में युक्ति जैन 93त्न (नगर में तृतीय स्थान) हेमलता सेन 87.7त्न, दिव्या धाकड़ 87.5% प्राप्त किए। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि महानुभावों में अरविंद शर्मा, संजय भंडारी, अरविंद कुमार, जयलाल धाकड़, चेनमल धाकड़, कमलेश कुमार, परमेश्वर धाकड़, मनीषा मेहता, विद्या देवी, सुगना धाकड़ सभी उपस्थित रहे। विद्यालय के संचालक निर्मल मेहता, प्राचार्य सुनील नागोरी, व्यवस्थापक रामलाल धाकड़, जसराज शर्मा, गिरीराज सोनी, धर्मराज धाकड़, मुरली धाकड़, अरूणा सेन, अनिता लबाना, पल्लवी भंडारी, मोनिका जैन, साक्षी गाँधी और ज्योति सोलीवाल एवं समस्त डिवाईन परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन चित्रा सेन ने किया।

नीमच में भाजपा कि नई 'तपोभूमि का शिलान्यासः भाजपा जिला कार्यालय भूमिपूजन के भव्य समारोह में जुटे दिग्गज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आज नीमच जिला भाजपा के इतिहास में नये स्वर्णिम अध्याय कि शुरुआत हुई । जिला भाजपा के हजारों पूर्व और वर्तमान कार्यकर्ताओं के सपने को वास्तविकता में बदलने का शिलान्यास हुआ। शहर के हृदय स्थल (पुरानी नगर पालिका, बंगला नंबर 60) में भाजपा के नवीन जिला कार्यालय का भूमि पूजन पूरे विधि-विधान, अभूतपूर्व उत्साह, हर्षोल्लास और एकजुटता के साथ संपन्न हुआ। समारोह में जिले के तमाम दिग्गज नेता एक मंच पर नजर आए।

समारोह का शुभारंभ विद्वान पंडितों द्वारा किए गए मंगलकारी वेदोक्त मंत्रोच्चार के साथ हुआ। जैसे ही भूमि पूजन की पहली ईंट रखी गई, पूरा परिसर भारत माता की जय और जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। इस ऐतिहासिक पल का स्वागत गगनभेदी आतिशबाजी और ढोल-ढमाकों के बीच किया गया।

कार्यक्रम की सबसे सुंदर तस्वीर तब देखने को मिली जब मातृशक्ति ने आगे बढ़कर अतिथियों का पारंपरिक अभिनंदन किया। स्थानीय महिलाओं ने तिलक लगाकर और सम्मानपूर्वक दुपट्टा पहनाकर नेताओं का आत्मीय स्वागत किया। वरिष्ठों को साफा बांधा गया। भूमि पूजन के पश्चात कार्यकर्ताओं का उत्साह सातवें आसमान पर था; ढोल-नगाड़ों की थाप पर पार्टी के कार्यकर्ता जमकर थिरके। यह नजारा कार्यकर्ताओं के अटूट समर्पण और उत्साह को बयां कर रहा था।

थाना शामगढ की एनडीपीएस में फरार दो आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना शामगढ पुलिस को एनडीपीएस एक्ट , हत्या के प्रयास में फ़रार इनामी बदमाश यशवन्त सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। इसके अलावा एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा गया है। आरोपियों पर 5 हजार रुपए का ईनाम था। थाना शामगढ़ के तीन तथा राजस्थान के चार एनडीपीएस के प्रकरणों में आरोपी फरार था। घटना के अनुसार फरार आरोपीयो की धरपकड हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारी को आदेशित किया गया था। इसी तारतम्य में एसडीओपी दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शामगढ कपिल सोराष्ट्रीय के नेतृत्व मे शामगढ पुलिस द्वारा थाना शामगढ के तीन अपराधो 5000 रुपये के इनामी आरोपी व राज्स्थान राज्य् के अन्य अपराधो में फरार आरोपी यशवंत सिंह उर्फ जसवंत पिता कालु सिंह सोंधिया निवासी ग्राम खाईखेडा को कांबिग गश्त के दौरान गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार थाना शामगढ के अपराध क्रमांक 290/2024 धारा 8/15 ,29 एनडीपीएस एक्ट में फरार आरोपी लक्ष्मण सिंह पिता गब सिंह सोधिया निवासी ग्राम गरडा थाना शामगढ को भी कांबिग गश्त के दौरान गिरफ्तार किया गया। इस कार्य में उनि मनोज महाजन चोकी प्रभारी चंदवासा , उनि रविन्द्र प्रताप डांगी, प्रआर सुरजपाल सिंह, धनपाल जाट , बहादुर सिंह, प्रदीप पानेरी, मोकम सिंह, आरक्षक इरफान, हीरालाल , अनिल गुर्जर, धर्मेश, प्रेम कुमार, सुनिल दायमा शामिल रहे।

कोतवाली पुलिस ने डेढ़ किलो एमडी प्रकरण में फरार आरोपी को गुजरात से दबोचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक द्वारा नशे के सौदागरो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के आदेश दिए थे, जिसके तहत कोतवाली पुलिस ने डेढ़ किलो एमडी प्रकरण में फरार आरोपी को गुजरात से दबोचा है। घटना अनुसार दिनांक 01 फरवरी 2026 को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबीर सूचना पर कार्यवाही हुये थाना कोतवाली पुलिस ने आरोपी गुलशेर खान पठान पिता कासम खान पठान उम्र 50 साल निवासी ग्राम देलवजी जिला प्रतापगढ राजस्थान, आरोपी नंदकिशोर उर्फ नंदु पिता कमलाशंकर पाटीदार उम्र 35 साल नि ग्राम राजाखेडी जिला मंदसोर दोनो आरोपियो को वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते उनके कब्जे से 01 किलो 500 ग्राम एमडी ड्रग्स जिसकी अंतराष्ट्रीय बाजार मे कुल किमत 01 करोड 50 लाख है दोनो के कब्जे से अवैध डोडाचुरा किमती 07 हजार रुपये एवं घटना मे प्रयुक्त किये जाने वाले वाहन दो मोटर साईकिल को जप्त किया गया था। प्रकरण मे मादक पदार्थ की तस्करी के संबध में आरोपियो की श्रृंखला का पता लगाते अन्य फरार आरोपी अजय सिह शक्तावत पिता रघुवीर सिह शक्तावत जाति राजपूत उम्र 33 साल निवासी ग्राम सेमलिया हिरा थाना दलौदा जिला मंदसोर को पूर्व में गिरफ्तार किया जाकर अभिरक्षा मे लिया गया। जिसने पूछताछ पर बताया कि वह मादक पदार्थ को गुजरात के निवासी आरोपी गोविंद निवासी राज्य गुजरात को देने जाने वाला था। गुजरात राज्य के निवासी आरोपी की गिरफ्तारी के संबध थाना कोतवाली पुलिस द्वारा एक पुलिस टीम गठित की जाकर गुजरात राज्य भेजी गई जो थाना कोतवाली पुलिस दवारा सूझबूझ व तत्परता से आरोपी गोविंद भाई पिता छगनलाल कोडी पटेल जाति रंगपरा उम्र 58 साल निवासी ग्राम जैपर तहसील व थाना मूली जिला सुरेन्द्र नगर राज्य गुजरात को पकडने मे सफलता प्राप्त की है। इस कार्य में निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौर थाना प्रभारी कोतवाली, सउनि कल्याण सिह चरेल, प्रआर विनोद नामदेव, आर भारत बैरागी, आर हरिश राठोर, आर भानूप्रताप सिह, आर नरेन्द्र सिह की सराहनीय भूमिका रही।

अफीम किसानों के हक में जिला कांग्रेस पहुंची नारकोटिक्स कार्यालय

भुगतान गाढ़ता पर और पट्टा मार्फीन पर क्यों?

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अफीम तौल प्रक्रिया के दौरान लागू की गई नई STD/WM प्रणाली को लेकर किसानों में गहराता असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। इसी के तहत जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को नारकोटिक्स उपायुक्त निखिल कुमार गांधी से मुलाकात कर किसानों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए त्वरित समाधान की मांग की।

प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में बताया कि विभाग द्वारा बिना पूर्व सूचना के अचानक लागू की गई STD/WM तौल प्रणाली से किसानों में भारी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। किसानों को यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि उनकी अफीम किस गुणवत्ता श्रेणी में दर्ज की जा रही है, तौल के दौरान किस आधार पर कटौती की जा रही है और उन्हें वास्तविक लाभ या नुकसान कितना हो रहा है। स्थिति यह है कि तौल केंद्रों पर मौजूद अधिकारी भी किसानों को संतोषजनक जानकारी देने में सक्षम नहीं हैं, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने तौल प्रक्रिया में अपनाई जा रही 'हाथ से जांच' प्रणाली पर भी कड़ा एतराज जताया। उनका कहना था कि जब विभाग स्वयं यह दावा करता है कि अफीम की गुणवत्ता का अंतिम निर्धारण लैब की मशीनों द्वारा किया जाएगा, तो तौल केंद्रों पर अधिकारियों द्वारा हाथ से जांच कर उसे स्ञ्जष्ठ या WM घोषित करना पूरी तरह अनुचित और अवैज्ञानिक है। प्रतिनिधि मंडल ने मांग की कि या तो तौल के समय ही मशीन से गुणवत्ता जांच सुनिश्चित की जाए या फिर हाथ से जांच की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए।

ज्ञापन में अफीम नीति में मौजूद दोहरे मापदंडों को भी किसानों के साथ अन्यायपूर्ण बताया गया। कांग्रेस प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्तमान में किसानों को उनकी उपज का भुगतान 'गाढ़ता' (कंसिस्टेंसी) के आधार पर किया जा रहा है, जबकि उनके पट्टे की पात्रता 'मार्फीन' की मात्रा पर निर्भर करती है। इस विसंगति के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जब सरकार गुणवत्ता का प्रमुख आधार 'मार्फीन' को मानती है, तो बेहतर मार्फीन वाली अफीम पर किसानों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि या बोनस दिया जाना चाहिए और दोनों मापदंडों में समानता लाई जानी चाहिए।

जिला कांग्रेस कमेटी के किसानों के साथ इस प्रतिनिधि मंडल ने किसानों के हित में कई अन्य महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं। इसमें मॉर्फिन की मात्रा बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करना, पात्र किसानों की सूची पट्टा वितरण से पहले ऑनलाइन सार्वजनिक की जाये जिससे पट्टे के नाम पर होने वाला भ्रष्टाचार रुक सके, प्राकृतिक आपदाओं जैसे ओलावृष्टि या अतिवृष्टि से फसल खराब होने पर स्पष्ट राहत नीति बनाकर मुआवजा देना सुनिश्चित किया जाए इसके लिए एक ठोस नीति निर्धारित की जाए तथा बढ़ती लागत को देखते हुए अफीम के सरकारी खरीद भाव में वृद्धि करना शामिल है।

साथ ही यह भी मांग की गई कि अफीम नीति तैयार करते समय अफीम किसानों को 'मुखिया' के माध्यम से उनकी सीधी भागीदारी सुनिश्चित की जाए, सीधे अफीम किसानों से सलाह ली जाए ताकि नीति अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बन सके। प्रतिनिधि मंडल ने नारकोटिक्स उपायुक्त से किसानों की इन सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने और मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाने का आग्रह किया, ताकि किसानों को राहत मिल सके और तौल प्रक्रिया में पारदर्शिता स्थापित हो सके। इस प्रतिनिधि मंडल में जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया,लक्ष्मीनारायण नागदा, मोहन सिंह जाट, देवीलाल पाटीदार, राम प्रताप जाट, मोहन विश्वकर्मा, यशवंत सोलंकी, मनीष गोस्वामी सहित अन्य किसान उपस्थित थे और जिन्होंने भी अपनी समस्याएं प्रतिनिधि मंडल के माध्यम से रखीं।

8 साल बाद न्यायः पत्रकार से मारपीट मामले में डॉक्टर दंपति सहित 4 दोषी, जेल और जुर्माने की सजा

खबर से नाराज होकर बुलाया था नर्सिंग होम, बंधक बनाकर की थी बेरहमी से पिटाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हुए हमले के एक बहुचर्चित मामले में आखिरकार 8 साल बाद न्याय की गूंज सुनाई दी है। 'गुप्ता नर्सिंग होम' मारपीट कांड में कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए शहर के नामी डॉक्टर दंपति सहित चार आरोपियों को दोषी ठहराते हुए जेल और जुर्माने की सजा सुनाई है।

यह मामला 7-8 मार्च 2018 का है, जब वरिष्ठ पत्रकार राकेश सोन ने अस्पताल में कथित 'बच्चे बदलने' के मामले पर खबर तैयार की थी। इसी खबर से नाराज होकर आरोपी डॉ. संजय गुप्ता ने पत्रकार को चर्चा के बहाने नर्सिंग होम बुलाया।

अगले दिन 8 मार्च को जब पत्रकार अपने कैमरामेन के साथ कॉलेज रोड स्थित नर्सिंग होम पहुंचे, तो बातचीत के बजाय माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि डॉ. संजय गुप्ता और डॉ. सुजाता गुप्ता ने गाली-गलौज शुरू कर दी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

केबिन में बंधक बनाकर पीटा- अभियोजन के अनुसार, घटना के दौरान डॉ. सुजाता गुप्ता ने केबिन का दरवाजा बंद कर दिया, ताकि पत्रकार बाहर न निकल सके। इसी बीच, आरोपी के बुलावे पर आए दिलीप बसेर और प्रहलाद बसेर भी वहां पहुंचे और पत्रकार पर लात-घूंसों से हमला कर दिया। इस हमले में पत्रकार का चश्मा तक टूट गया।

घटना यहीं नहीं रुकी। बाहर मौजूद नाकोड़ा मेडिकल के संचालक महावीर जैन को भी जबरन घसीटकर केबिन में लाया गया और उनके साथ भी मारपीट की गई। बाद में पीड़ितों के परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद ही उन्हें आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया जा सका।

कोर्ट ने माना–अपराध 'संदेह से परे' साबित- मामले की सुनवाई के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंकिता गुप्ता ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया। शासन की ओर से एडीपीओ विपिन मण्डलोई ने मजबूत पैरवी करते हुए गवाहों और साक्ष्यों की ऐसी कड़ी पेश की, जिससे आरोपियों का प्रभाव बेअसर हो गया।

अभियोजन के अनुसार, 8 वर्षों तक चले इस मामले में अपराध को 'संदेह से परे' प्रमाणित किया गया।

संदेश साफ~ कानून से ऊपर कोई नहीं- यह फैसला स्पष्ट करता है कि प्रभाव और पेशे की आड़ में कानून को हाथ में लेने की इजाजत किसी को नहीं है। साथ ही यह उन लोगों के लिए भी कड़ा संदेश है, जो दबाव या ताकत के दम पर पत्रकारिता की आवाज को दबाने की कोशिश करते हैं।

पोर्टल के माध्यम से खाद बेचें, पीडीएस दुकानों को नियमित खोलकर खाद्यान्न देवें

नोडल अधिकारी उपार्जन केंद्रों में आधारभूत सुविधाओं को चेकलिस्ट अनुसार चेक करें

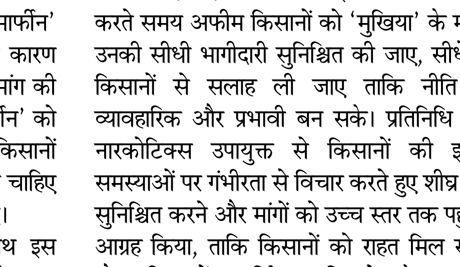

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में सोमवार को सुशासन भवन स्थित सभागार में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को कार्य योजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तालाबों से गाद निकालने, बावड़ियों की गहराई तक सफाई करने तथा जल स्रोतों का संरक्षण प्राथमिकता से किया जाए। साथ ही ऐसे पुराने जल स्रोत जो समाप्त हो चुके हैं, उनका जीर्णोद्धार कर पुनर्जीवित किया जाए, ताकि जिले में जल संरचना मजबूत हो सके।

उन्होंने पीएचई विभाग एवं जल निगम को जनभागीदारी के माध्यम से कार्य कराने के निर्देश दिए। सभी नगरीय निकायों को ग्रीष्मकाल में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं स्थानीय जल स्रोतों की पहचान कर उन पर कार्य करने के लिए कहा गया। कलेक्टर ने स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन करने, एचपीवी वैक्सीनेशन का शत-प्रतिशत लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने तथा पीडीएस दुकानों को नियमित खोलकर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए किसानों के पुनः सत्यापन एवं भंडारण व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों पर नोडल अधिकारियों को आधारभूत सुविधाओं की चेकलिस्ट के अनुसार नियमित जांच करने के निर्देश दिए। नरवाई प्रबंधन के तहत सभी एसडीएम को तहसीलवार रिपोर्ट तैयार करने एवं प्रभावी कार्यवाही करने को कहा गया। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद विक्रय तथा निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने संजय गांधी उद्यान में आयोजित पुस्तक मेले एवं पुस्तक दान पहल की सराहना की। उन्होंने सभी स्कूलों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों को समय पर पुस्तकें एवं साइकिल वितरण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

पवन चक्की की केबल चोर को भावगढ पुलिस ने पकड़ा, साथी फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसडीपीओ ग्रामीण कीर्ति बघेल के निर्देशन में थाना प्रभारी भावगढ निरीक्षक वरसिंह कटारा के नेतृत्व में पवन चक्की की केबल चोरी करने वाले चोरो को पडकने में सफलता मिली है। पुलिस के अनुसार 02.04.2026 को फरियादी प्रभुलाल पिता भेरुलाल जाती बामनीया भील निवासी बेहपुर व्दारा थाना भावगढ पर रिपोर्ट किया कि ग्राम बेहपुर में लगी पवन चक्की का सुक्युरीटी गार्ड का सुपरवाईजर हूं व गई रात्री मे अज्ञात व्यक्तियो व्दारा पवनचक्की की केबल काट दी गई है, जिससे विद्युत उत्पादन बंद हो गया है। इस पर विवेचना के दौरान आरोपी अंकीत पिता मांगु मईडा जाती भील उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम बडी खुर्द थाना सरवन जिला रतलाम को गिरफ्तार कर सख्ती से पुछताछ करने पर उसकी निंशादेही से 90-90 फीट की दो कापर केबल किमती एक लाख अस्सी हजार रुपये की जप्त की गई। पुछताछ में अन्य आरोपी मनीष मईडा निवासी मोरझर थाना सरवन, व तोलाराम पिता देवचंद मईडा निवासी मोरझर थाना सरवन जिला रतलाम के साथ चोरी की घटना को अंजाम देना बताया। फरार आरोपीयो की तलाश जारी है।

सम्पादकीय

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तकः मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे हम लोग, बुनियाद, संजीवनी, बालिका वधू, उड़ान, तारक मेहता का उल्टा चश्मा आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

आत्मसाक्षात्कार के द्वारा ईश्वर के प्रेम की अलख को अपने भीतर अनुभव करें

आतम अनुभव जब भयो तब नही हर्ष विषाद ॥
चित्रदीपसम है रहे, तजिकर वादविवाद ॥॥

हमारी भारतीय संस्कृति आत्मोन्नति की बात करती है। अध्यात्म इस भूमि के कण-कण में बसा है। हमारे भारत देश में जितने भी संत हुए ऋषि - मुनि हुए, उन सभी ने स्वयं को प्राप्त इस आत्मसाक्षात्कार को जनसामान्य तक पहुँचाने का पूरा प्रयास किया। संत कबीर दास जी को जब आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हुआ तो वह उस आनंद का वर्णन उन्होंने अपनी कविता में किया है। वे कहते हैं कि अपने आप के स्वरूप चैतन्य का यानि की हृदयस्थ आत्मा का जब अनुभव हो जाता है, तब हर्ष शोक नहीं रह जाते। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त व्यक्ति किसी से भी वाद-विवाद नही करता। वह व्यक्ति भीतर से शांत, करुणामयी, आनंदयुक्त होकर चित्र के दीपक की भाँति स्थिर हो जाता है। प. पूज्य श्री माता जी श्री निर्मलादेवी प्रणित सहजयोग में उपरोक्त वर्णित आत्मानुभव लिया जा सकता है।सहजयोग अपने चित्त को अपने भीतर झाँकने की दिव्य कला सिखाता है। श्री माता जी कहते हैं कि आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। आपका प्रथम स्वार्थ है ।स्वतः को जानना यानि अपनी आत्मा को जानना 7 जब सहजयोग में साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है द्य तब उसे इसकी अनुभूति अपने सूक्ष्म शरीर पर, अपने हाथों की उँगलियो के छोरों पर और अपने तालुभाग पर होती है। आदि शंकराचार्य जी ने इसे सौन्दर्यलहरी, आनंदलहरी कहा है द्य उसे साधक जब स्वयं मे अनुभूति करता है द्य तो वो भी चित्र के दीपक समान स्थिर, शांत और निरानंदमयी हो जाता है।जब हमारा अहंभाव पोषित होता है द्य तब हमें सुख मिलता है, जैसे अगर किसी ने हमारी प्रशंसा की तो हमें सुख मिलता है, हमे ऊंचा पद, प्रतिष्ठा या संपत्ती प्राप्त हुई तो हमें सुख मिलता है।

परंतु जब हमें कोई प्रताड़ित करता है, अपयश मिलता है तो हमारा - प्रतिअहंभाव पोषित होने से हमें दुःख होता है। परंतु आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के बाद हमें जो निरानंद प्राप्त होता है, तब हमे हर्ष और विषाद नहीं रहते, अर्थात् हम हमारे अहंकार और प्रति अहंकार पर विजय प्राप्त करते हैं, उनसे परे जाते हैं द्य तब हमें ये आल्हाददायनी चैतन्य लहरियाँ मिलती हैं। अमृतमयी आनंद देनेवाली अनुभूति को हम सहर्ष महसूस कर सकते हैं।

आपको भी अगर वाद-विवाद को त्यागकर चित्र के दीपक के समान स्थिर और निरानंदमयी होना है द्य तो आज ही सहजयोग ध्यान सीखें सहजयोग ध्यान आत्मा को पाने की ऐसी पद्धति है जिसमें सहजता से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है।

वक्फ के नए नियमः इतिहास बदलने और भविष्य गढ़ने वाले कदम

जब कोई कानून केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रहकर समाज की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में वास्तविक बदलाव लाता है, तभी उसका ऐतिहासिक महत्व अमिट हो जाता है। राष्ट्रपति की अंतिम मंजूरी के साथ वक्फ संशोधन कानून ने भारतीय वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में एक नए युग की शुरुआत कर दी है। यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और सामाजिक न्याय की दिशा में एक निर्णायक और क्रांतिकारी कदम है। पुराने तंत्र में भ्रष्टाचार, मनमानी और अतिक्रमण ने संपत्तियों से मिलने वाले वास्तविक लाभ को लगातार रोके रखा था। अब वक्फ बोर्ड आधुनिक तकनीक, उत्तरदायी प्रबंधन और समावेशी दृष्टिकोण के साथ काम करेगा। इसका असर केवल संपत्तियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और गरीबी उन्मूलन जैसी मूलभूत जरूरतों में सीधे दिखाई देगा। यह परिवर्तन करोड़ों मुस्लिम परिवारों के लिए सुरक्षा, विश्वास और समृद्धि का एक नया संदेश लेकर आया है।

वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पहले अनियमितताओं और विवादों की लंबी श्रृंखला रही, जिसने उनकी वास्तविक उपयोगिता और विकास को लगातार बाधित किया। मनमाने दावे, लंबित मुकदमे और अतिक्रमण ने कई संपत्तियों को विवादास्पद और अनुपयोगी बना दिया था। अब डिजिटल पोर्टल और ऑटोमेशन के माध्यम से प्रत्येक संपत्ति का पूरा जीवनचक्र ट्रैक किया जाएगा। पंजीकरण, लेखा-जोखा, ऑडिट और मुकदमेबाजी सभी ऑनलाइन और पारदर्शी होंगे। छह माह के भीतर सभी संपत्तियां पोर्टल पर दर्ज हो जाएंगी, जिससे कोई भी संपत्ति छिपी नहीं रहेगी। यह पारदर्शिता भ्रष्टाचार को कम करेगी और वक्फ बोर्ड को एक वैज्ञानिक, उत्तरदायी और आधुनिक संस्था में परिवर्तित कर देगी। परिणामस्वरूप, संपत्तियों का उपयोग अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित और न्यायसंगत ढंग से सुनिश्चित होगा।

जिला कलेक्टर को संपत्ति सर्वेक्षण और विवाद समाधान की जिम्मेदारी दी गई है, जो प्रबंधन का सबसे मजबूत स्तंभ साबित होगा। अब निर्णय केवल सरकारी रिकॉर्ड और निष्पक्ष जांच पर आधारित होंगे। अतिक्रमण स्वतः रोका जाएगा और संपत्तियां उनके वास्तविक लाभार्थियों तक सुरक्षित रूप से पहुंचेगी। कलेक्टर का समयबद्ध और तथ्यपरक दृष्टिकोण हर निर्णय को मज़बूत और भरोसेमंद बनाएगा। इसके परिणामस्वरूप, वक्फ संपत्तियां शीघ्र और प्रभावी कल्याण कार्यों में लगेंगी। विवाद कम होंगे, संपत्तियों का विकास तेज़ी से होगा और गरीब, विधवा एवं वंचित वर्गों तक लाभ सुनिश्चित रूप से पहुंचेगा। यह व्यवस्था स्थानीय प्रशासन की दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता को नई ऊँचाई पर ले जाएगी।

समावेशिता और संतुलित नेतृत्व अब वक्फ बोर्ड की नई पहचान बन चुका है। बोर्ड में अब कम से कम दो मुस्लिम महिलाएं और गैर-मुस्लिम सदस्य शामिल होंगे। विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों का प्रतिनिधित्व भी अनिवार्य होगा। इससे निर्णय प्रक्रिया व्यापक दृष्टिकोण वाली, संतुलित और संवेदनशील बनेगी। महिलाओं की भागीदारी प्रबंधन में संवेदनशीलता और सूझबूझ लाएगी, जबकि गैर-मुस्लिम सदस्य प्रशासनिक निगरानी और सहयोग सुनिश्चित करेंगे। यह संरचना वक्फ को केवल धार्मिक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संपदा और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त प्रतीक बनाएगी। प्रत्येक वर्ग का सक्रिय योगदान विकास की दिशा में सुनिश्चित होगा और कल्याण कार्यों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

संपत्ति दान और वक्फ गठन के नए नियम इसे सुरक्षित, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाते हैं। अब केवल पाँच वर्ष से इस्लाम का पालन करने वाला वास्तविक और सच्चा मालिक ही संपत्ति वक्फ कर सकेगा। %वक्फ बाय यूजर% जैसी पुरानी और असुरक्षित प्रथाओं पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। वारिसों और महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकार अब सुनिश्चित और संरक्षित हैं। यह प्रावधान मनमानी और दुरुपयोग को रोकता है और दानकर्ताओं के विश्वास को सुदृढ़ करता है। संपत्तियों की संख्या बढ़ेगी और उनका उपयोग स्पष्ट, न्यायपूर्ण और कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित होगा। यह कदम वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को समाप्त करते हुए समुदाय में भरोसा, स्थिरता और सुरक्षा की नई भावना पैदा करेगा।

विवाद समाधान प्रक्रिया में सुधार न्याय की गति को तेज करेगा और पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। अब ट्रिब्यूनल के फैसलों पर हाईकोर्ट में अपील का अधिकार होगा, जिससे निर्णय अधिक भरोसेमंद और न्यायपूर्ण बनेंगे। बोर्ड का सीईओ अब संयुक्त सचिव स्तर का होगा, जो पेशेवर प्रबंधन और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। म्यूटवाल्ली (वक्फ संपत्ति का प्रबंधक या देखभालकर्ता) की योग्यता और प्रशिक्षण में कड़ाई आई है, जिससे भ्रष्ट तत्वों की रोकथाम होगी। यह व्यवस्था विवादों को कम करके संपत्तियों को शीघ्र और प्रभावी विकास कार्यों में लगवाएगी। परिणामस्वरूप, समुदाय का विश्वास और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगे, और संपत्तियां वास्तविक कल्याण कार्यों में सही तरीके से उपयोग होंगी।

डिजिटल निगरानी और पारदर्शी प्रबंधन के माध्यम से वक्फ संपत्तियां अब शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और गरीबी उन्मूलन में निर्णायक और स्थायी योगदान देंगी। हर निर्णय, योजना और संपत्ति का उपयोग सीधे समुदाय की भलाई, विकास और समग्र कल्याण के लिए किया जाएगा। यह परिवर्तन मुस्लिम समुदाय को सशक्त बनाते हुए पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरक और मॉडल उदाहरण प्रस्तुत करेगा। भविष्य में वक्फ बोर्ड एक आदर्श और मानक संस्था के रूप में उभरेगा, जहां दक्षता, समर्पण, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व साथ-साथ संचालित होंगे। इस नए ढांचे में हर संपत्ति का उपयोग न्यायसंगत, सुव्यवस्थित और विकासोन्मुख तरीके से सुनिश्चित और सुदृढ़ रूप से किया जाएगा।

राष्ट्रपति की मंजूरी ने वक्फ को नई ऊँचाइयों की ओर मजबूती से अग्रसर कर दिया है। अब प्रबंधन आधुनिक, निष्पक्ष और कल्याणकारी दृष्टिकोण से संचालित होगा। संपत्तियां अब केवल निजी संपत्ति नहीं, बल्कि भारत की साझा और अमूल्य राष्ट्रीय विरासत बनेंगी। यह नया युग आशा, समृद्धि और सतत विकास का होगा। हर वक्फ संपत्ति केवल जमीन या भवन नहीं, बल्कि समाज सेवा, न्याय और समग्र विकास का सशक्त प्रतीक बनेगी। यह कानून स्पष्ट रूप से सिद्ध करेगा कि सच्चा सुधार हमेशा समुदाय और राष्ट्र की भलाई करता है और वक्फ संपत्तियों को भविष्य में प्रगति और समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

-प्रो. आरके जैन

दूर की जाएं महिला आरक्षण की आशंकाएं

मोदी सरकार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी की संवैधानिक व्यवस्था को शीघ्र लागू करना चाहती है। इस क्रम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 आगामी जनगणना के पश्चात होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू होना है। वर्ष 2027 में जनगणना और 2028 में परिसीमन होगा। इसमें दो वर्ष का समय लगेगा। इस स्थिति में 2030 से ही महिला आरक्षण लागू हो सकेगा और लोकसभा चुनाव में तो 2034 से लागू हो पाएगा। इस हिसाब से महिलाओं को 33 प्रतिशत राजनीतिक हिस्सेदारी देने में 8 से 11 वर्ष का समय लगेगा। ऐसे में, मोदी सरकार परिसीमन की अनिवार्यता से महिला आरक्षण को मुक्त कर उसे जल्द लागू करना चाहती है।

आधी आबादी को विधानसभा एवं लोकसभा में प्रतिनिधित्व देने की यह पहल स्वागतयोग्य है। लागू परिसीमन के अनुसार सभी राज्यों में अभी 4,123 विधायक हैं, जिनमें 392 महिलाएं हैं। 33 प्रतिशत आरक्षण से उनकी संख्या बढ़कर 1,300 से अधिक हो जाएगी। वर्तमान लोकसभा में 75 महिलाएं हैं। आरक्षण के प्रविधान के बाद 2029 के लोकसभा चुनाव में 181 महिलाएं चुनी जाएंगी। यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण का ऐतिहासिक अवसर होगा। इस बीच यह भी एक प्रश्न है कि क्या आम महिलाओं को इसकी जानकारी है? क्या उन्हें इस अवसर का लाभ उठाने हेतु किसी प्रेरणा, शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था है? कहीं ऐसा न हो कि महिलाओं के लिए आरक्षित स्थान केवल राजनीतिक घरानों की महिलाओं से ही भर जाएं? क्या वर्तमान सांसदों, विधायकों, कद्दावर नेताओं के घरों की महिलाएं ही इसका लाभ उठाएंगी? पंचायतों-नगर निकाय में ऐसा ही हुआ। बहुत कुछ निर्भर करेगा कि राजनीतिक दल महिला प्रत्याशियों के चयन में क्या दृष्टिकोण अपनाते हैं। यदि वे केवल जिताऊ महिला प्रत्याशी तलाशेंगे, तो वही होगा जिसकी आशंका है।

यह भी सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं की हिस्सेदारी केवल उपस्थिति तक सीमित न रहे। वे विधायिका की संरचना, उसकी कार्यप्रणाली, उसे संचालित करने वाले नियम-परिनियम, वाद-विवाद कौशल, नीति-निर्माण की जटिलताओं, सरकार के विभिन्न मंत्रालयों की कार्यप्रणालियों, निर्णयन हेतु वांछित संवैधानिक एवं विधिक ज्ञान, देश-विदेश के गंभीर मुद्दों की समझ और सत्ता पक्ष एवं विपक्ष की लोकतांत्रिक मर्यादाओं को भी जाने-समझें। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याएं उठाने के साथ ही प्रदेश एवं देश के विकास और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी अपनी राय रख सकें। नवनिर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों को यह भी समझना होगा कि वे सदन में किसी महिला दल के रूप में काम न कर सकेंगी। संविधान के 52वें संशोधन अर्थात दल-बदल निरोधक कानून (1985) के कारण वे अपने-अपने दल के निर्देशों से बंधी रहेंगी। उन्हें अपने-अपने दल के 'सचेतकों'(व्हिप) के निर्देशों के अनुरूप ही सदन में व्यवहार एवं मतदान करना पड़ेगा।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

चीन ने कोयले से बनाई गैस और हम बातों में उलझे रहे

भारत के आम परिवारों से लेकर सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों तथा खासतौर पर उर्वरक उत्पादन को एलपीजी और प्राकृतिक गैस की कमी जिस प्रकार प्रभावित कर रही है, उसे देखते हुए यह जानने की मेरी उत्सुकता बढ़ गई कि भारत से पांच गुना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वाला देश चीन इतना शांत कैसे नजर आ रहा है। मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि उसने समझदारी बरती जबकि हम पूरी तरह बेपरवाह रहे।

हमारी तरह चीन भी बहुत हद तक तेल और गैस के आयात पर ही निर्भर है लेकिन हमारे उलट वहां घबराहट के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं।

हमें पता है कि चीन अपनी गैस और कच्चे तेल का बहुत बड़ा हिस्सा रूस से पाइपलाइन से हासिल करता है। क्या वह पर्याप्त है? हमारे यहां तो घबराहट का माहौल है क्योंकि खरीफ की बोआई की तैयारियों के बीच उर्वरक को लेकर अनिश्चितता है जबकि चीन शांत है। वह अपनी जरूरतों को लेकर तो आश्वस्त है ही बल्कि निर्यात प्रतिबद्धता को लेकर भी निश्चिंत है। हम भी चीन से उर्वरक आयात पर निर्भर करते हैं। पूर्वी लद्दाख-गलवान संकट के बाद उर्वरक आपूर्ति रोके जाने की कड़वी स्मृतियां हमारे पास हैं। हालांकि चीन ने फिलहाल अप्रत्याशित स्थिति को कारण बताकर खाद के अपने निर्यात से इनकार नहीं किया है। इसकी वजह तब सामने आई जब मैंने अपने दायरे से बाहर जाकर शोध किया।

वास्तविकता ने मुझे सदमें में डाल दिया। यह सदमा चीन की कामयाबी को लेकर भी था और अपने आम चलताऊ रवैये को लेकर भी था बातें ज्यादा, और नतीजा मामूली।

कुछ कटु सत्य इस प्रकार हैं। चीन के पास कुछ ही गैस क्षेत्र हैं इसके बावजूद वहां पर्याप्त गैस है। ऐसा इसलिए क्योंकि चीन ने कोयले से गैस बनाने में धैर्यपूर्वक पूंजी, कौशल और तकनीक का निवेश किया। अब वह इसके वैश्विक उत्पादन का आधे से अधिक उत्पादित करता है। भारत और चीन ने इस विचार पर लगभग एक ही समय काम करना शुरू किया था लेकिन चीन के सालाना 8 करोड़ टन का हम केवल 3 से 5 फीसदी ही उत्पादन कर पा रहे हैं। चीन गैस बनाने के लिए सालाना करीब 34 करोड़ टन कोयले का इस्तेमाल करता है जबकि हम इसका केवल 1.4 फीसदी ही इस्तेमाल में लाते हैं।

साल 2007 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने कोयला आधारित मीथेन गैस को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कीं और रानीगंज में एक छोटा सा संयंत्र भी लगाया। उसके बाद से यह विचार ठंडे बस्ते में ही पड़ा है। संपग्र के कार्यकाल में कोयले की बदनामी भी हुई। कोविड प्रेरित सुधारों के दौर में 2020 में मोदी सरकार ने एक अति महत्त्वाकांक्षी राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन की शुरुआत की।

मैं अति महत्त्वाकांक्षी शब्द का इस्तेमाल बहुत सावधानीपूर्वक कर रहा हूं क्योंकि इसके तहत 2030 तक सालाना 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण का लक्ष्य था। इसके लिए 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाना था। 10 करोड़ टन सालाना के साथ हमारा कोयला गैस उत्पादन चीन से 25 फीसदी अधिक होता। यह यकीनन जबरदस्त खबर थी।अब इस योजना का छठा साल चल रहा है और कुल उत्पादन बमुश्किल 50 लाख टन सालाना हो सका है। इसमें भी 18 लाख टन जिंदल स्टील ऐंड पॉवर के ओडिशा के अंगुल संयंत्र से आता है। यह नवाचारी आधुनिक प्रक्रिया का इस्तेमाल करता है और अधिकांशतः आंतरिक खपत में काम आता है।

कोयला मंत्रालय और नीति आयोग की वेबसाइट हमें बताती है कि 64,000 करोड़ रुपये के निवेश वाली सात कोयला गैसीकरण परियोजनाएं मंजूर की जा चुकी हैं। इनमें से तकरीबन सभी सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के साथ संयुक्त उपक्रम में होंगी लेकिन फिलहाल ये नियमन चक्र में फंसी हैं। मैंने झारखंड के जामताड़ा जिले के कास्टा में 'ईस्टर्न कोलफील्ड्स' (कोल इंडिया की सहायक कंपनी) की भूमिगत कोल गैसीफिकेशन परियोजना के बारे में पढ़ा। अब तक वहां उत्पादन शुरू हो जाना चाहिए था लेकिन यह कोयला और पर्यावरण मंत्रालयों के बीच विवाद में उलझकर रह गई। पर्यावरण मंत्रालय का जोर है कि यह परियोजना 300 मीटर गहरी होनी चाहिए। कोयला मंत्रालय इसे 150-160 मीटर रखना चाहता है। परिणाम, वही ढाक के तीन पात।

यह जानकर और बुरा लगेगा कि हम अपनी कोयला निकासी को केवल खुले खदान तक सीमित किया है। हमारा सारा भूमिगत कोयला अप्रयुक्त पड़ा है, जबकि चीनी तीन किलोमीटर भूमिगत जा रहे हैं। कोयला मंत्रालय की वेबसाइट पर दो अच्छे लेख निजी क्षेत्र के समूहों यानी अदाणी और जिंदल से आते हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि भारत के पास दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। वे तकनीकी प्रक्रियाओं को फ्लो-चार्ट्स के साथ समझाते हैं, सुधारों और आवश्यक संसाधनों की सूची देते हैं।

और यकीनन वे रणनीतिक लाभों का भी उल्लेख करते हैं, जिनमें इस समय का पसंदीदा- ऊर्जा आत्मनिर्भरता शामिल है। यह सब बहुत सलीके से प्रस्तुत किया गया है। चीन की तरह हमारे पास भी दूरदर्शिता की कमी नहीं है लेकिन चीन के उलट हम जुबानी जमा खर्च से आगे बढ़कर अमली जामा नहीं पहना सके। कच्चे तेल की कीमतें कम होने के साथ ही हमारी रुचि कम होने लगती है। हाइड्रोकार्बन के मंदी के दौर में भी चीन ने न तो रुचि गंवाई न ही ध्यान हटाया। उन्होंने कोयले के जरिये ऊर्जा स्वतंत्रता को राष्ट्रीय रणनीतिक लक्ष्य बनाया और हासिल किया। हम हमेशा की तरह राजनीतिक-अफसरशाही-नियामक विश्लेषण में उलझ कर रह गए।

हमारे यहां दिक्कत यह है कि लंबी परियोजनाओं के दौरान जैसे ही कीमत कम होती है किसी न किसी भवन में बैठा कोई अफसरशाह उसकी दुहाई देकर काम ठप कर देता है। इससे निजी क्षेत्र का उत्साह भी जाता रहता है। चीन क्यों कामयाब रहा? उसने इसे रणनीतिक योजना के रूप में देखा और ध्यान बनाए रखा। इससे चीन ऊर्जा संबंधी झटकों से बच सका।

कोयला ईंधन के रूप में लोकप्रिय नहीं है लेकिन भारत के पास यही है। कोयले से रसायन बनाना भी प्रदूषणकारी गतिविधि है, लेकिन यह बिजली संयंत्रों में इसे जलाने की तुलना में कहीं कम प्रदूषणकारी है। किसी भी स्थिति में, हमारा बिजली उत्पादन अधिकतर नवीकरणीय स्रोतों की ओर बढ़ रहा है, और परमाणु ऊर्जा वापसी के लिए तैयार है। बिजली उत्पादन के लिए कोयला जलाना भले ही बुरा हो, लेकिन इसे गैस में बदलना कहीं कम बुरा है। और सल्फर, जो एक महत्त्वपूर्ण उप-उत्पाद है, उद्योग और उर्वरकों दोनों के लिए बड़ी मांग रखता है। यह भी एक ऐसा रसायन है जिसके लिए हम आयात पर निर्भर हैं।

मध्यवर्गीय उपभोक्ताओं के पास राजनीतिक शक्ति होती है और इसलिए हम ईंधन, एलपीजी, डीजल, पेट्रोल की उपलब्धता या कीमतों पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। उर्वरक की कमी इससे भी बड़ा खतरा है क्योंकि यह हमारी खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। बस इतना है कि हमारे टीवी चैनल किसानों को लेकर उत्तेजित नहीं होते। खरीफ का मौसम आने वाला है। युद्ध से पहले ही अधिशेष उत्पादन करने वाले राज्यों ने (मुख्यतः आयातित) यूरिया और डाइअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की राशनिंग शुरू कर दी थी।

इन उर्वरकों का उत्पादन करने के लिए गैस और अमोनिया की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है। वास्तव में, भारत द्वारा उत्पादित या आयातित प्राकृतिक गैस का 30 फीसदी उर्वरक संयंत्रों में जाता है। और अब, झटका देने के लिए, मैं आपको चीन की कहानी बताता हूं। चीन अपने 90 फीसदी से अधिक अमोनिया का उत्पादन कोयला गैसीकरण से करता है। अमोनिया डीएपी के लिए आवश्यक है। भारत इसका अधिकांश आयात करता है और कमी इतनी गंभीर है कि हताश किसानों द्वारा दंगे या लूटपाट को रोकने के लिए कई राज्य अपनी आपूर्ति पुलिस थानों में रखते हैं, और किसानों को उनकी जमीन और आधार-आधारित पंजीकरण के आधार पर आवंटित करते हैं।

-धनंजय राजौरा

आईआईएसईआर में आईएटी 2026 माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 13 अप्रैल 2026

इच्छुक उम्मीदवार https://www.iiser-admission.in/ पर आवेदन कर सकते हैं।

आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी) 2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक आ गई है। आगामी 13 अप्रैल 2026 को आवेदन पोर्टल बंद हो जाएगा। भारत में विज्ञान शिक्षा और शोध की राष्ट्र स्तरीय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने का यह अंतिम अवसर होगा। यह प्रवेश परीक्षा पूरे देश के विद्यार्थियों के लिए है।

आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी) इंडियन इंस्टिट्यूट्स ऑफ़ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) का प्रवेश द्वार है। ये संस्थान उत्तरोत्तर मौलिक विज्ञान, इंटरडिसिप्लिनरी लर्निंग और अत्याधुनिक शोध में उत्कृष्टता के प्रमुख केंद्र बन गए हैं।

आईआईएसईआर बेरहामपुर, आईआईएसईआर भोपाल, आईआईएसईआर कोलकाता, आईआईएसईआर मोहाली, आईआईएसईआर पुणे, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम और आईआईएसईआर तिरुपति में बीएस-एमएस (डुअल डिग्री) और 4 वर्षीय बीएस डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट https://www.iiseradmission.in/ पर आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी 2026) के लिए रजिस्ट्रेशन कर लेने की सलाह दी जाती है।

आईएटी 2026 के माध्यम से सर्वप्रमुख 5 वर्षीय बीएस-एमएस डुअल डिग्री प्रोग्राम के साथ-साथ कई अन्य विशेषज्ञतापूर्ण और इंटरडिसिप्लिनरी कोर्स में प्रवेश दिए जाते हैं। ऐसे कोर्सों की रेंज बड़ी हो रही है। इनमें आईआईएसईआर कोलकाता में कम्प्यूटेशनल और डेटा साइंस, आईआईएसईआर मोहाली में नवारंभ जियोलॉजी और एनवायरनमेंटल साइंस मेजर और आईआईएसईआर भोपाल और आईआईएसईआर तिरुपति में 4 वर्षीय बीएस और बी.टेक. प्रोग्राम शामिल हैं। प्रोग्राम में विविधता होने से विद्यार्थियों को शोध-केंद्रित परिवेश में प्योर साइंस, डेटा साइंस, अर्थशास्त्र और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बहुत अच्छा करने का मौका मिलता है।

आईएटी 2026 की महत्वपूर्ण तिथियां

13 अप्रैल 2026- एप्लीकेशन पोर्टल बंद होने की तिथि

16-18 अप्रैल 2026 - एप्लीकेशन फ़ॉर्म में सुधार की समय अवधि

24 मई 2026 - एग्ज़ाम हॉल टिकट जारी होगा

7 जून 2026 - आईआईएसईआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी) 2026 - परीक्षा तिथि (सुबह 9:00 बजे - दोपहर 12:00 बजे आईएसटी)

इस साल आईएटी में एक बड़ा बदलाव किया गया है। आईएटी का दायरा बढ़ाया गया है और यह अब कई सर्वोच्च संस्थानों के कुछ अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए भी मान्य होगा। इनमें आईआईटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस (आईआईएससी), इंडियन एसोसिएशन फ़ॉर द कल्टिवेशन ऑफ़ साइंस (आईएसीएस) और आईआईसीएसटी शिबपुर शामिल हैं। उम्मीद है कि इस नई पहल से उच्च गुणवत्ता के साथ विज्ञान की पढ़ाई अधिक सुलभ होगी और इच्छुक उम्मीदवार एक ही टेस्ट से मनपसंद शैक्षिक विकल्प प्राप्त करेंगे।

इच्छुक उम्मीदवार निम्नलिखित चरणों के अनुसार आईएटी 2026 के लिए आवेदन करें -

चरण 1 - आईआईएसईआर प्रवेश 2026 की वेबसाइट पर जाएं https://iiseradmission.in/

चरण 2 - होमपेज पर 'एप्लाई फॉर आईएटी-2026' पर जाएं

चरण 3 - अगले पेज पर रजिस्टर कर यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें।

चरण 4 - सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन के बाद सभी जरूरी डॉक्युमेंट्स़ अपलोड करें और उचित शुल्क का भुगतान कर आवेदन पत्र पूरा करें।

उम्मीदवार सभी विवरण सही और सावधानीपूर्वक दें। कुछ विवरण आवेदन पत्र जमा हो जाने के बाद बदले नहीं जा सकते हैं।

आईआईएसईआर आरंभ से अनुसंधान में विद्यिार्थियों की भागीदारी को प्राथमिकता देता है। उन्हें लैब वर्क, इंटर्नशिप और स्वतंत्र रूप कार्यरत प्रोजेक्ट में शामिल किया जाता है। पाठ्यक्रम में लचीलापन, फैकल्टी के गहन मार्गदर्शन और अंतर्विषयी अध्ययन सभी के संयोग से विद्यार्थियों को अपनी सुविधा से पढ़ते हुए नवीनतम वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों, जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डीप-टेक रिसर्च के लिए अधिक सक्षम बनाया जाता है।

आईएटी 2026 का आयोजन पूरे भारत में इसके विभिन्न केंद्रों पर होगा। यह कंप्यूटर-आधारित परीक्षा होगी। इस व्यापक परीक्षा में कुल 60 प्रश्न होंगे, जिनमें से प्रत्येक विषय - जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और भौतिक विज्ञान के 15 प्रश्न होंगे। परीक्षा कुल 180 मिनट की होगी। सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे। प्रत्येक प्रश्न का सिर्फ एक सही उत्तर होगा।

प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे।

प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक कटेगा।

अनुत्तरित प्रश्नों के लिए 0 अंक दिया जाएगा।

इस तरह आईएटी का अधिकतम अंक 240 होगा।

देवास सब्जी मंडी में 'अव्यवस्था का साम्राज्य'

थोक मंडी बनी खेरची बाजार, बिना रसीद रोज लाखों की वसूली; हम्मालों को मिलते सिर्फ 300 रुपए

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी क्रमांक-2 में संचालित सब्जी मंडी का हाल इन दिनों पूरी तरह बदहाल नजर आ रहा है। नाम भले ही थोक मंडी का हो, लेकिन यहां खेरची विक्रेताओं का कब्जा है। अव्यवस्थाओं के बीच मनमानी वसूली का ऐसा खेल चल रहा है, जिसमें न नियम नजर आते हैं और न ही कोई जवाबदेही।

मंडी में प्रवेश से लेकर अंदर तक हर काम के अलग-अलग शुल्क वसूले जा रहे हैं। पल्ली बिछाने, सब्जी की कट्टियां उतारने-चढ़ाने, साफ-सफाई और खेरची दुकान लगाने तक के नाम पर व्यापारियों और छोटे विक्रेताओं से रकम ली जाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि इन वसूलियों की न कोई रसीद दी जाती है और न ही मंडी रिकॉर्ड में कोई उल्लेख मिलता है। इससे साफ है कि रोजाना लाखों रुपए की अवैध उगाही हो रही है।

थोक के नाम पर खेरची का खेल

मंडी मूल रूप से थोक व्यापार के लिए निर्धारित है, लेकिन यहां टीनशेड और प्लेटफॉर्म पर पल्लियां बिछाकर खुलेआम खेरची बिक्री हो रही है। लायसेंसधारी व्यापारी अपनी दुकानों में टेबल-कुर्सी तक सीमित हैं, जबकि असली व्यापार मंडी परिसर में फैल चुका है। इससे न केवल अव्यवस्था बढ़ रही है, बल्कि आवागमन भी बाधित हो रहा है।

बिना हिसाब-किताब वसूली का नेटवर्क

मंडी में काम करने वाले लोगों का कहना है कि पल्ली लगाने के लिए पहले एकमुश्त राशि (एफडी के नाम पर) ली जाती है, फिर रोजाना अलग से शुल्क वसूला जाता है। सब्जी की कट्टी पर उतारने और चढ़ाने के 10-10 रुपए लिए जाते हैं, लेकिन इन पैसों का कोई हिसाब नहीं है।

हम्मालों का शोषण, ऊपर कमाई लाखों में

सबसे ज्यादा शोषण हम्मालों का हो रहा है। जहां कट्टियों से लाखों रुपए की वसूली होती है, वहीं मेहनत करने वाले हम्मालों को मात्र 300 रुपए प्रतिदिन दिए जाते हैं। यह पूरा खेल आपसी मिलीभगत की ओर इशारा करता है।

पल्ली का आधा हिस्सा किराये पर, मंडी में 'सबलेटिंग'

जिन लोगों ने पल्ली बिछाने के लिए मोटी रकम दी है, उन्होंने भी आगे आधा स्थान किराये पर चढ़ा दिया है। शासकीय परिसर में इस तरह की 'सबलेटिंग' न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि अवैध कमाई का बड़ा जरिया बन चुकी है।

फल मंडी में भी वही हाल

सब्जी ही नहीं, फल मंडी में भी यही स्थिति बनी हुई है। लायसेंसधारी दुकानों की बजाय खुले में टेंट और पल्लियों के सहारे व्यापार हो रहा है, जहां बिना रसीद वसूली की शिकायतें आम हैं।

मंडी प्रशासन ने मानी अव्यवस्था

मंडी सचिव ए.के. परिहार स्वयं मानते हैं कि मंडी में अव्यवस्थाएं हैं। उनका कहना है कि उन्होंने हाल ही में कार्यभार संभाला है और व्यवस्थाओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही इस संबंध में कार्रवाई की बात भी कही जा रही है।

अब बड़े सवाल

थोक मंडी में खेरची व्यापार आखिर किसकी अनुमति से?

बिना रसीद रोज लाखों की वसूली पर जिम्मेदार कौन?

हम्मालों के नाम पर वसूली, लेकिन मेहनताना नाममात्र क्यों?

शासकीय परिसर में अवैध कब्जा और 'सबलेटिंग' पर कार्रवाई क्यों नहीं?

मंडी प्रशासन कब तक सिर्फ सुधार की बात करता रहेगा?

अब देखना यह है कि प्रशासन इस 'मंडी माफिया' पर कब लगाम लगाता है, या फिर यूं ही अव्यवस्था के बीच लाखों की उगाही का खेल चलता रहेगा।

15 साल बाद 16वीं जनगणना, जन की संख्या के साथ सुविधाओं की भी होगी पूछताछ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोरोना महामारी के कारण वर्षों के इंतजार के बाद आखिरकार देश की 16वीं जनगणना का शंखनाद हो चुका है। वर्ष 2011 के बाद होने जा रही ये जनगणना पहले हुई समस्त गणमनाओं से अलग होने वाली है, क्योंकि ये पूरी तरह डिजिटल होगी। 1 मई 2026 से इस महाभियान की शुरुआत होगी।

इस दौरान प्रशासन घर-घर पहुंचकर न सिर्फ आबादी, बल्कि जीवन-स्तर, आवास, सुविधाओं और संसाधनों से जुड़ी विस्तृत जानकारी जुटाएगा। इस बार जनगणना केवल सिर गिनने तक सीमित नहीं रहेगी। हर परिवार की पूरी कुंडली तैयार की जाएगी। कागज-कलम की जगह मोबाइल एप से डेटा फीडिंग होगा और पूरी प्रक्रिया की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। जनगणना के डिजिटल स्वरूप के लिए तीन विशेष एप विकसित किए गए हैं।

एप से किया जाएगा जनगणना कार्य- जनगणना के लिए तीन एप का उपयोग किया जाएगा। इसमें हाउसिंग ऑपरेशन एप से मकानों का सूचीकरण और गणना होगी। जनसंख्या गणना एप के जरिए परिवार और लोगों का विवरण दर्ज किया जाएगा। डीएलएम एप से ब्लॉक सीमाएं कैप्चर की जाएंगी। इस डिजिटल सिस्टम के चलते आंकड़ों के प्रकाशन में लंबा इंतजार नहीं करना होगा। वहीं सीएमएमएस पोर्टल से उच्च स्तर पर निगरानी होगी, जिससे गलती की गुंजाइश न के बराबर रहेगी।

हर पहलू की होगी पड़ताल- प्रथम चरण में 33 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें मकान-भवन नंबर, फर्श-दीवार-छत की सामग्री मकान का उपयोग, हालत और स्वामित्व परिवार के सदस्यों की संख्या, मुखिया का नाम व लिंग साइकिल, बाइक, कार जैसे वाहनों की उपलब्धता टेलीफोन, स्मार्टफोन, इंटरनेट, कम्प्यूटर रसोईघर, एलपीजी कनेक्शन, पेयजल स्त्रोत शौचालय की उपलब्धता व प्रकार, गंदे पानी की निकासी खाना पकाने का ईंधन, प्रकाश का स्त्रोत परिवार द्वारा उपभोग किया जाने वाला मुख्य अनाज परिवार का सामाजिक वर्ग (एससी/एसटी/अन्य) जैसी सूक्ष्म जानकारियां शामिल हैं।

शिक्षकों के कंधों पर जिम्मेदारी- इस काम के लिए शिक्षकों के साथ अन्य शासकीय कर्मचारी को प्रगणक नियुक्त किया जाएगा। प्रगणक घर-घर दस्तक देंगे और निर्धारित प्रश्नावली के आधार पर जानकारी दर्ज करेंगे। प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो 1 मई से प्रथम चरण में घरों की गणना एवं नंबरिंग का कार्य शुरू किया जाएगा।

2 निजी उर्वरक विक्रेताओं के लायसेंस निलंबित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा प्रदेश में उर्वरक वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं सुगमतापूर्वक प्रदान करने के लिए ई-विकास (वितरण एवं कृषि आपूर्ति समाधान) प्रणाली प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा 01 अप्रैल 2026 से जिले में शतप्रतिशत उर्वरक वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास उपसंचालक आरएल जामरे ने 01 एवं 02 अप्रैल को जिले में 2 निजी उर्वरक विक्रेता जिनमें मेसर्स जय बाबारी कृषि सेवा केन्द्र मो.बडोदिया एवं सिंगाजी कृषि फार्म सिमरोल शु. को ई-विकास प्रणाली का पालन नहीं कर उर्वरक वितरण करने एवं शासन के निर्देशो की अव्हेलना करने तथा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये गये थे। फर्मो द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषप्रद एवं तत्थयात्मक नही होने से उक्त फर्मो को जारी फुटकर प्राधिकार पत्र निलंबित किये गये है। निलंबन अवधि के दौरान इन फर्मो पर उर्वरक के किसी भी प्रकार के क्रय, विक्रय पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।

बावड़िया स्कूल के छात्र ने राज्य स्तर पर किया जिले का नाम रोशन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय माध्यमिक विद्यालय बावड़िया के प्रतिभाशाली छात्र मन धांडे ने राज्य स्तरीय ओलम्पियाड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देवास जिले का नाम गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि पर उन्हें मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री माननीय जगदीश देवड़ा द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय के लिए यह गर्व की बात है कि शासन द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित राष्ट्रीय मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति परीक्षा में भी इसी विद्यालय के छात्र मन धांडे, गौरी राठौर एवं मनीष रामनिवास का चयन हुआ है। बावड़िया स्कूल से हर वर्ष विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों का उत्कृष्ट चयन होता रहा है, जो यहां की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को दर्शाता है। विद्यालय का शैक्षणिक स्टाफ उच्च कोटि का है, जहां शिक्षक पूरी मेहनत और लगन के साथ विद्यार्थियों को शिक्षित करते हैं। इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय को सिल्वर श्रेणी से सम्मानित किया गया है। प्रभारी प्रधानाध्यापक सुश्री उमा तिवारी का सख्त अनुशासन एवं शिक्षकों का समर्पण विद्यालय को निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। विद्यालय के कई पूर्व छात्र आज विभिन्न उच्च पदों पर रहकर देश सेवा कर रहे हैं। छात्र मन धांडे की इस उपलब्धि पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह, कमिश्नर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री भारती, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, डायर मैडम, डीपीसी श्री मिश्रा, संकुल प्राचार्य श्री सातपुते, बीआरसी श्री वर्मा, जनशिक्षक श्री सुरेंद्र राठौर एवं अन्य अधिकारियों ने विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही प्रधानाध्यापक सुश्री उमा तिवारी एवं मार्गदर्शक शिक्षक श्रीमती प्रज्ञा व्यास, श्री रामचंद्र सोलंकी, श्रीमती वंदना मांझी, प्रीति वर्मा, श्री संतोष धाणक एवं विकास गरोड़ा के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके सकारात्मक योगदान की प्रशंसा की गई।

देवास में आरटीआई एक्ट 2005 पर आयोजित कार्यशाला सम्पन्न

पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सोमवार को जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ई-दक्ष केंद्र देवास में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को शासन की सूचनाओं तक सरल एवं समयबद्ध पहुंच सुनिश्चित करना, प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना तथा अधिकारियों में जवाबदेही की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों से आए लोक सूचना अधिकारी एवं सहायक लोक सूचना अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आरटीआई अधिनियम 2005 के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों को आवेदन प्राप्त होने से लेकर सूचना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया, निर्धारित समय-सीमा, प्रथम एवं द्वितीय अपील की प्रक्रिया, तथा अधिनियम के अंतर्गत छूट प्राप्त सूचनाओं के बारे में विस्तार से समझाया गया।

साथ ही सूचना के डिजिटलीकरण और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से आरटीआई आवेदन के प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों पर भी विशेष जोर दिया गया। इससे अधिकारियों की समझ और कार्यकुशलता में वृद्धि होने की उम्मीद जताई गई।प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम लोकतंत्र को मजबूत करने का एक प्रभावी माध्यम है, जो नागरिकों को शासन की कार्यप्रणाली में भागीदारी का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अधिनियम के प्रावधानों का गंभीरता से पालन करते हुए आमजन को समयबद्ध एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से जिले में आरटीआई अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को नई दिशा मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई। प्रशिक्षण ई दक्ष केंद्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक आकाश सरमंडल ने प्रशिक्षक नवीन जोशी के साथ दिया।

टोक खुर्द शराब जाप्ती का मामला संदेह के घेरे में, विवेचना के नाम पर गोल- मोल जवाब

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आबकारी विभाग द्वारा जब भी अवैध शराब पकड़ने की कार्रवाई की जाती है उसमें या तो आरोपी फरार बताया जाता है या फिर किसी छोटे कर्मचारियों के नाम पर प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में दर्शाया जाता है। टोंकखुर्द के एक ढाबे से पकड़ी गई शराब के मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थिति सामने आ रही है। दर असल मामला यह है कि जिला आबकारी अधिकारी मनीष खरे को सूचना प्राप्त हुई की टोक खुर्द में एक ढाबे पर अवैध शराब रखी हुई है जिस पर मनीष खरे ने टीम बनाकर आबकारी अमले को वहां पर भेजा यहां से आबकारी विभाग अमले ने 103 पेटी अवैध शराब जप्त कर 34/2 के तहत प्रकरण दर्ज किया। जिसमें एक व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है? जबकि जीस ढाबे से शराब पकड़ी गई उस ढाबा संचालक और जिस ठेकेदार की शराब है वह इस कार्रवाई से अछूते रहे। उधर आबकारी विभाग के अधिकारी भी मामले को विवेचना में बाता कर गोल- मोल जवाब देते नजर आए। जिला आबकारी अधिकारी मनीष खरे भी मीडिया के सामने कोई स्पष्ट बात नहीं रख पाए हैं। वह इसलिए कि जब जिला आबकारी अधिकारी मनीष खरे से पत्रकारों ने यह जानने के लिए दूरभाष पर संपर्क किया कि आबकारी विभाग अभी तक मुख्य आरोपी तक क्यों नहीं पहुंच पाया तो उन्होंने चर्चा करना उचित नहीं समझा बार-बार प्रयास करने के बाद भी उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। तब पत्रकारों ने जिला कलेक्टर को इसकी जानकारी दी। इसके बाद आबकारी निरीक्षक महेश पटेल से पत्रकारो ने चर्चा की तो उन्होंने बताया कि मामला विवेचना में है अभी व्यस्तता चल रही है जानकारी एकत्रित करने में कुछ समय और लगेगा जैसे ही इसमें कोई नया नाम जुड़ता है तो अवगत कराया जाएगा। अब देखना यह है कि आबकारी विभाग की विवेचना के नाम पर यह कार्यवाई कब पूर्ण रूप लेती हैं।

कालू खेड़ी का मामला भी संदेह के घेरे में- आबकारी विभाग के संभागीय उड़न दस्ते द्वारा कुछ महा पूर्व कालू खेड़ी स्थित शराब दुकान से शराब जप्त की गई थी जो अन्य बेच की थी। इस मामले में संभागीय टीम ने न सिर्फ पंचनामा बनाया बल्कि आबकारी विभाग देवास को कार्रवाई हेतु पत्र भी जारी किया था।

और उस पत्र में यह दिया गया था कि उक्त शराब कालूखेड़ी बाईपास दुकान पर पंचनामा बनाकर सुपुर्दगी में दी गई है जिसे बाद में देवास आबकारी विभाग को जप्त कर मामला जाप्ती में लेना था एवं कार्रवाई करना था लेकिन अभी तक वह शराब जप्त नहीं की गई है ? शराब की जानकारी विभाग के पास नहीं है। उस समय जो ठेकेदार थे वह भी नहीं है और नहीं वह अधिकारी है। इस मामले में आबकारी निरीक्षक महेश पटेल ने बताया कि उस मामले में आगे कार्रवाई होगी यदि जप्त की गई शराब उपलब्ध नहीं कराई गई है तो संबंधित के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि आखिर कब यह कार्रवाई होगी तो उन्होंने बताया कि इस मामले में वरिष्ठ अधिकारी कुछ बता पाएंगे। मेरे संज्ञान में इस मामले को लेकर अधिक जानकारी नहीं है।

वरिष्ठ नागरिक संस्था का दो दिवसीय आयोजनः इंदर सिंह नागर की भजन संध्या आज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास वरिष्ठ नागरिक संस्था दो दिवसीय आयोजन आज से होंगे। जिसके अंतर्गत भजन संध्या एवं वार्षिक साधारण सभा होगी। संस्था अध्यक्ष ओ.पी. पाराशर ने बताया 7 अप्रैल स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर पूज्य इंदरसिंह जी नागर के सानिध्य में भजन संध्या का आयोजन होगा। 8 अप्रैल को प्रातः 10 बजे संस्था भवन, मल्हार स्मृति मंदिर परिसर में देवास वरिष्ठ नागरिक संस्था की वार्षिक साधारण सभा होगी। संस्था ने सदस्यों से आग्रह किया है कि वे सभा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल एवं गरिमामय बनाएं।

भारतीय किसान संघ ने बाईक रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय किसान संघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसके पहले संघ के पदाधिकारी व सदस्य बाइक रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। किसान पहले कृषि उपज मंडी परिसर में एकत्रित हुए और वहां से रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे।

किसानों ने सीएम के नाम शाजापुर एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन दिया, जिसमें कृषि और आर्थिक समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की गई। ज्ञापन में किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की तारीखों में बार-बार बदलाव किए जाने पर नाराजगी जताई है। किसानों का कहना है कि इस अनिश्चितता के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके साथ ही गेहूं खरीदी की सीमा 11 क्विंटल प्रति बीघा निर्धारित करने और मंडियों में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। भारतीय किसान संघ ने रेखांकित किया कि सहकारी बैंकों की ड्यू डेट न बढ़ाए जाने के कारण किसानों पर ब्याज और दंड का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इस तकनीकी कारण से बड़ी संख्या में किसान डिफाल्टर की श्रेणी में आ गए हैं। किसानों ने ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से प्रभावित फसलों का बीमा क्लेम और मुआवजा राशि जल्द जारी करने की अपील की है। वहीं किसानों ने पराली जलाने के मामले में प्रशासन द्वारा की जा रही एफआईआर की कार्रवाई को अनुचित बताया है। संघ की मांग है कि जब तक पराली निपटान का कोई स्थायी तकनीकी समाधान सरकार द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक किसानों पर दंडात्मक कार्रवाई रोकी जाए। इसके अलावा ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग भी की गई है। संगठन ने बताया कि यदि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो भारतीय किसान संघ उग्र आंदोलन करेगा।

मेढकी वाटर वाक्स बावड़ी बचाने हिंदू समाज का प्रदर्शन, सिविल लाइन थाना निर्माण रोकने की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी देवास शहर के प्यासे कंठ की प्यास बुझाने वाली प्राचीनकालीन मेढकी वाटर वाक्स की बावड़ी और धार्मिक स्थल को बचाने के लिए समस्त हिंदू समाज के कार्यकर्ताओं ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन देकर सिविल लाइन थाने के निर्माण को अविलंब स्थगित करने की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता अनिल सिंह ठाकुर ने बताया कि शहर की अति प्राचीनकालीन बावड़ी मेढकी वाटर वाक्स का अस्तित्व खतरे में आ चुका है, जिसे बचाना अत्यंत आवश्यक है।

वहां पर सिविल लाइन पुलिस थाना बनाने का कार्य किया जा रहा है, जबकि आज भी मेढकी की बावड़ी में यदि साफ-सफाई कर दी जाए तो भरपूर मात्रा में पानी उपलब्ध है। बावड़ी में लगे बोरिंग में पर्याप्त पानी है, जो आसपास के किसानों के बोरिंग को रिचार्ज कर रहा है। इसके साथ ही यहां पर वाटर वाक्स के प्राचीन आंकड़े पेड़ से गणेश जी की प्रतिमा निकली है, जिसके बाद एक भक्त ने मंदिर की स्थापना की। प्रति बुधवार श्री गणेश मंदिर में माताएं और बहनें पूजा-पाठ, भजन करती हैं। साथ ही हनुमान मंदिर में शनिवार और मंगलवार को भजन, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा आदि के कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी परिसर में पीपल के पेड़ की परिक्रमा कर प्रतिदिन जल चढ़ाया जाता है। विगत कुछ दिनों से मेढकी वाटर वाक्स बावड़ी के आसपास मिट्टी एकत्रित कर उसे बावड़ी में डालने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे इस प्राचीन धरोहर को समाप्त कर सिविल लाइन थाना निर्माण की जानकारी जैसे ही मेढकी चक और आसपास की कॉलोनीवासियों को लगी, उन्होंने विरोध प्रकट किया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के पूर्व विधायक गायत्री राजे पंवार और महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने आमजन और बच्चों के मनोरंजन हेतु पार्क का भूमि पूजन कर नगर निगम परिषद में प्रस्ताव पारित किया था। दिनांक 22 सितंबर 2025 को शिव शक्ति सेवा मंडल को अस्थाई गार्डन के लिए यह भूमि सौंप दी गई थी। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर किस नियम से नगर निगम ने गार्डन की जमीन पर पक्का निर्माण करने की अनुमति दी, जबकि यह नियमानुसार अवैध है। साथ ही यह भी प्रश्न उठाया गया कि नगर निगम ने गार्डन की जमीन राजस्व विभाग को कैसे सौंप दी। सोमवार को दोपहर 12 बजे समस्त हिंदू समाज के आह्वान पर जिला कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर के नाम ज्ञापन अपर कलेक्टर को सौंपा गया। इस दौरान हिंदू जागरण मंच के नरेंद्र शर्मा, विश्व हिंदू परिषद जिला गो-रक्षा प्रमुख रमेश कौशल, शैलेंद्र जोशी, नवीन पांडे, मनीष शर्मा, आशीष पंडित, अमन दुबे, प्रेम बैरागी, पंडित सत्येंद्र शर्मा, संदीप तिवारी गुरुजी, कुलदीप मोदी सहित अनेक जागरूक नागरिक उपस्थित रहे। ज्ञापन में मांग की गई कि हिंदू समाज की महिलाएं, माताएं और बहनें यहां नित्य पूजा-पाठ और पीपल के वृक्ष को जल अर्पित करती हैं। ऐसे में इस स्थान पर पुलिस थाना बनने से महिलाओं का प्रवेश प्रभावित होगा। परिसर में प्राचीनकाल से ग्रामीणों द्वारा होलिका दहन भी किया जाता रहा है। लोगों का कहना है कि यदि यहां पुलिस थाना बनता है तो थाने में आपराधिक तत्वों का आना-जाना लगा रहेगा, जिससे भक्तों और पुलिस के बीच विवाद की स्थिति बन सकती है और समाज में भय का वातावरण निर्मित होगा। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? अतः कलेक्टर से मांग की गई है कि किसी अन्य स्थान पर राजस्व की खाली जमीन तलाश कर सिविल लाइन थाना का निर्माण किया जाए, अन्यथा भविष्य में सर्व समाज द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की होगी।

फिर बदलेगा मौसम, आज भी बारिश की संभावना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम परिवर्तन का सिलसिला आगामी दिनों में भी जारी रहेगा। मौसम विभाग ने मंगलवार को दोबारा बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान तेज आंधी के साथ कहीं-कहीं तेज या हल्की बारिश हो सकती है।

इसके पहले भी नगर मे मौसम बदला था और ठंडी हवाओं ने दस्तक दी थी। इस दौरान 37 डिग्री तापमान के बाद शाम को ठंडी हवाओं की मौजूदगी से लोगों को गर्मी से राहत मिली थी। हालांकि बारिश की संभावना भी जताई गई थी, लेकिन कुछ देर हल्की बूंदाबांदी के बाद मौसम साफ हो गया था। अब दोबारा मौसम विभाग द्वारा तेज आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई जा रही है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते एक बार फिर मौसम बदलेगा। इस दौरान गरज चमक व आंधी के साथ कुछ देर के लिए तेज बारिश हो सकती है और मौसम का यह मिजाज आज व कल भी बना रह सकता है।

नरवाई न जलाये, कृषि यंत्र का उपयोग करें

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग उप संचालक आरएल जामरे द्वारा सभी किसानों से अपील की है कि वर्तमान में रबी की फसल कटाई का कार्य लगभग सम्पन्न हो चुका है। जिसमें प्रायः देखने में आ रहा है कि जिले के कृषको द्वारा फसल अवशेष को प्रबंधन करना एक महत्वपूर्ण चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। जिससे कि कृषक उन अवशेषो को नष्ट करने के लिए आग लगाकर प्रबंधन करते है जो उचित नहीं है। फसलों के अवशेष जलाने से भूमि की उर्वरता शक्ति नष्ट हो जाती है एवं फसलों की उत्पादन क्षमता धीरे-धीरे कम हो जाती है । जिससे भूमि में पाये जाने वाले लाभदायक जीवाणु की संख्या में कमी आती है। फसल अवशेषो के प्रबंधन करने के लिए उन्नत कृषि यंत्र जैसे कम्पाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम एवं स्ट्रा रीपर लगी मशीन से ही फसल कटाई का कार्य एवं प्रबंधन करें। जिले में नरवाई से संबंधित समस्या देखने में आती है। इसलिये उन्होंने जिसमें संबंधित विभाग एवं किसानों से अपील की है कि पर्यावरण, किसान एवं भूमि के हित में अपना योगदान दें ताकि जिले में नरवाई न जलाकर नरवाई का प्रबंधन किया जा सके। नरवाई प्रबंधन के कारण जिले में पशुधन के लिए पर्याप्त भूसा उपलब्ध हो सकेगा। जिससे किसान भाईयों द्वारा पशुपालन करने की जागरूकता भी आयेगी। जिले में बाहर से आये हुए कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर अटेचमेन्ट मशीन से ही नरवाई फसल प्रबंधन कार्य करवाएं।

एयर बेग से बची कार सवारों की जान, टला हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। धोबी चौराहा के पास रविवार शाम एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां एक कार अचानक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे बिजली के पोल में जा घुसी। इससे कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार के एयरबैग खुलने से इसमें बैठे युवक और युवती को चोट नहीं आई। कोतवाली थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री कार्यालय के सामने एक बगैर नंबर की नई कार खड़ी हुई थी। ड्राइविंग सीट पर सिहोदा निवासी युवराज (26) पिता बहादुर सिंह राजपूत बैठा हुआ था। पास की सीट पर एक युवती भी बैठी हुई थी। तभी अचानक कार तेज रफ्तार से चल पड़ी और थोड़ी ही दूर आकर बिजली के पोल से टकरा गई।

बदनावर में जुटा राजसी वैभव और जनशक्ति

दहेज रूपी दानव को जड़ से उखाड़ने का ऐतिहासिक संकल्प

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दहेज एक ऐसा शब्द जो समाज के माथे पर कलंक की तरह चिपका है। इसी कलंक को धोने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ समाज की नींव रखने के उद्देश्य से राजपूत समाज के संघठन दहेज विरोधी क्षत्रिय संगठन, मध्यप्रदेश द्वारा रविवार को संजोग गार्डन, बदनावर में एक विशाल और वैचारिक महाकुंभ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मात्र एक सभा नहीं थी, बल्कि यह 6 घंटे से अधिक चला वह वैचारिक युद्ध था, जिसने समाज की कुरीतियों की चूलें हिला दीं।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने दहेज प्रथा पर प्रहार करते हुए कहा कि जब एक पिता अपनी बेटी को विदा करता है, तो वह अपना कलेजा सौंप देता है। उसके बाद भी धन की मांग करना न केवल अमानवीय है, बल्कि कायरता की निशानी है। दहेज लेना और देना दोनों ही जघन्य अपराध हैं। हमें उस मानसिकता को बदलना होगा जो बेटी को बोझ और शादी को सौदा समझती है। पिता द्वारा अपनी स्वेच्छा से दिया गया शैक्षिक दान या प्रेम उपहार सम्मानजनक है, लेकिन लिस्ट बनाकर मांगी गई वस्तुएं समाज का पतन हैं। यदि आज हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

कार्यक्रम प्रभारी पोपसिंह राठौड़ (पप्पी बना) के कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम सुबह 10ः00 बजे प्रभु श्री राम और श्री रणथंबोर गणेश जी की पावन आरती से शुरू हुआ। इसके बाद निरंतर 40 वक्ताओं ने अपने ओजस्वी विचारों से उपस्थित जनसमूह में जोश भर दिया। देर शाम तक चले इस आयोजन में हर वक्ता की एक ही आवाज थी दहेज मुक्त समाज, सशक्त समाज।

जहाँ एक ओर कुरीतियों पर चर्चा हुई, वहीं दूसरी ओर समाज की शक्तियों का सम्मान भी हुआ। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मंच पर सम्मानित किया गया। समाज की विसंगतियों को शब्दों के माध्यम से उजागर करने वाले पत्रकारों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जयपुर की तलवारबाजी टीम ने अपने प्रदर्शन से यह सिद्ध कर दिया कि बेटियां किसी भी मायने में कम नहीं हैं। उनके इस जज्बे को देखते हुए श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह चौहान ने 100 सिरोही तलवारें भेंट करने की घोषणा की।

इस ऐतिहासिक अवसर पर राजसी वैभव और सामाजिक शक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के महाराजा श्रीमंत ऐश्वर्या चंद्रदेव सिंह, सैलाना महाराजा श्रीमंत विक्रम सिंह, बालू सिंह कानावत (अध्यक्ष, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा), बखतगढ़ महाराज हरिनारायण सिंह पंवार, राजवर्धन सिंह दत्तीगांव (पूर्व उद्योग मंत्री), महेंद्र सिंह राठौड़ जाखली (जयपुर), विरेन्द्र सिंह सिसौदिया (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), महेंद्र सिंह पंवार (संस्थापक), गणपत सिंह राठौड़, राजेंद्र सिंह राठौड़ (जोधपुर), मंगल सिंह सीराणा, महेन्द्र सिंह बावल, शक्ति सिंह मुरलिया (उपाध्यक्ष, जौहर स्मृति संस्थान चित्तौड़गढ़), मदरुप सिंह सोनगरा (राजगढ़), अंतर सिंह पवार, कोकसिंह पवार, राजेंद्र सिंह पवार, भगवान सिंह राठौर, डॉ. नरेंद्र सिंह राजावत, धर्मेंद्र सिंह राठौड़, अमृता सिंह शक्तावत

आराधना सिंह सोलंकी (ब्रांड एंबेसेडर), इंद्रजीत सिंह जौलाना, शक्ति सिंह राठौर, डॉ. कमल सिंह, जितेन सिंह देवड़ा, बंटू सिंह चौहान, जीवन सिंह देवड़ा, अविनाश सिंह राठौड़, युवराज सिंह राठौड़, जयदीप सिंह शक्तावत महानुभावों की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक भव्य बनाया।

अंत में, संघठन के कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पंवार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम ने यह संदेश साफ कर दिया है कि अब समाज की बेटियां दहेज की वेदी पर नहीं चढ़ेंगी, बल्कि अपने कौशल और समाज के सहयोग से नया इतिहास रचेंगी।

दिल्ली दरबार में बदनावर का गौरव, प्रवीण चावला ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लिया आशीर्वाद

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त नीति एवं शोध मध्य प्रदेश प्रभारी प्रवीण चावला ने नई दिल्ली पहुंचकर देश के यशस्वी केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। मध्य प्रदेश संगठन में नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के बाद यह उनकी पहली औपचारिक मुलाकात थी, जिसे राजनीतिक गलियारों में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुलाकात के दौरान प्रवीण चावला ने रक्षा मंत्री को अपनी नई जिम्मेदारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन के कार्यों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रेरित किया। चावला ने इस अवसर पर कहा संगठन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूँगा।

रक्षा मंत्री जी से प्राप्त मार्गदर्शन मेरी कार्ययोजना को मजबूती देगा। हमारा लक्ष्य भाजपा की विचारधारा, नीतियों के गहन अध्ययन और अनुसंधान के माध्यम से संगठन को वैचारिक रूप से और सशक्त बनाना है। औपचारिक भेंट के साथ-साथ इस मुलाकात में कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर भी विमर्श हुआ। प्रवीण चावला ने विशेष रूप से अनुसूचित जाति वर्ग जो समाज के वंचित वर्ग है उसे मुख्यधारा से जोड़ने और उनके सशक्तिकरण की योजनाओं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पात्र हितग्राहियों को कैसे मिले, इस पर रणनीति। नीतियों के माध्यम से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना जैसे बिन्दुओ पर राजनाथ सिंह के सामने रखे।

राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, नई जिम्मेदारी संभालने के बाद वरिष्ठ नेतृत्व से भेंट करना न केवल शिष्टाचार है, बल्कि यह संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक भी है। इस मुलाकात ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आगामी समय में मध्य प्रदेश में भाजपा की नीति एवं शोध विंग अधिक प्रभावी और शोध-आधारित कार्यों के साथ सक्रिय नजर आएगी। बदनावर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने प्रवीण चावला की इस मुलाकात और उनके बढ़ते कद पर हर्ष व्यक्त किया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय मिश्रीमल हिंगड़ को दी श्रद्धांजलि

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय मिश्रीमल हिंगड़ का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। स्वर्गीय हिंगड़ की स्मृति में बड़ावदा में शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को याद किया। शोक सभा में आलोट के लोकप्रिय विधायक चिंतामन जी मालवीय एवं नागदा-खाचरोद क्षेत्र के पूर्व विधायक दिलीप जी शेखावत विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने स्वर्गीय हिंगड़ के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि मिश्रीमल हिंगड़ ने जीवनभर समाज सेवा और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका सादगीपूर्ण जीवन एवं जनसेवा के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणादायक रहेगा। अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

शिक्षक हितों की रक्षा हेतु म.प्र. शिक्षक संघ मुखरः विधायक चिंतामणि मालवीय को सौंपा ज्ञापन

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हिरल्ड। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की प्रांतीय बैठक में लिए गए निर्णयानुसार, शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं और टेट परीक्षा के विरुद्ध शासन द्वारा सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर करने की मांग को लेकर आज शिक्षक संघ ने अपनी आवाज बुलंद की। सोमवार, 6 अप्रैल 2026 को शिक्षक संघ जावरा शाखा के पदाधिकारियों द्वारा आलोट विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री चिंतामणि मालवीय को बड़ावदा में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया।

प्रमुख मांगः रिव्यू पिटीशन और शिक्षक हित- ज्ञापन के माध्यम से संघ ने शासन से मांग की है कि टेट परीक्षा के संबंध में उत्पन्न विसंगतियों को दूर करने हेतु शासन माननीय सर्वोच्च न्यायालय में रिव्यू पिटीशन (पुनर्विचार याचिका) दाखिल करे। शिक्षकों का तर्क है कि वर्तमान नियमों से अनुभवी शिक्षकों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिसके लिए विधिक हस्तक्षेप आवश्यक है।

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे शामिल- विधायक जी को ज्ञापन सौंपते समय मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला संगठन मंत्री बद्रीलाल मड़ोतीय, जिला उपाध्यक्ष संजय द्विवेदी एवं तहसील अध्यक्ष दिनेश जायसवाल, गट्टू सिंह चंद्रावत, कैलाश परिहार, शांतिलाल झाला, महेश बैरागी,हेमंत रायकवार, ईश्वर लालराठौर, श्रीमती नीता शर्मा,श्रीमती निर्मला गहलोत, नंदराम राठौर,नरसिंह राठौर, शंकरलाल सोलंकी,बंसीलाल पवार,लक्ष्मी नारायण मेहता, किशन डामेचा,तपन नायक, बलवंत सिंह मालीवाड़, लालचंद पंचोलिया,शेरू खान, रामनारायण पाटीदार, जीवनलाल रागोटा,रोडमल रायकवार,विनय शर्मा,गोविंद चौधरी आदि बड़ी संख्या में शिक्षक साथी मौजूद थे।

विधायक ने दिया आश्वासन- विधायक चिंतामणि मालवीय ने शिक्षकों की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि वे इस विषय में शासन के वरिष्ठ स्तर पर चर्चा करेंगे और वास्तव मे कहीं भूल हुई है,शिक्षकों की जायज मांगों को मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे।

प्रत्येक नागरिक सौभाग्यशाली, जो देश का स्वर्णिम काल व मोदी जी का सशक्त नेतृत्व देख रहा है - जिलाध्यक्ष ओम मालवीय

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026÷ अंतर्गत सोमवार को सुसनेर मंडल के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की शुरुआत उद्घाटन सत्र से हुई। उपस्थित अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, पूर्व विधायक द्वय बद्रीलाल सोनी, राणा विक्रम सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष डॉ धीरेंद्र पाण्डे, जिला उपाध्यक्ष डॉ गजेंद्रसिंह चंद्रावत, जिला महामंत्री रामेश्वर तेजरा, मीसाबंदी गोवर्धन शुक्ला, लोकतंत्र सेनानी जिलाध्यक्ष कैलाश नारायण बजाज, किसान मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह काँवल, अजा मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ बीएस वर्मा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष वेदप्रकाश भट्ट, मांगीलाल सोनी व महेश शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, मण्डल प्रभारी आभा चोपड़ा, प्रशिक्षण प्रभारी भूपेंद्र शास्त्री, मण्डल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन द्वारा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामाप्रसाद मुख़र्जी व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पार्टी का ध्वजारोहण कर की गई। अतिथियों का स्वागत व सामुहिक वन्देमातरम का गान हुआ। मंडल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष ओम मालवीय ने केंद्र सरकार की योजना एवं उनके क्रियान्वयन विषय पर प्रथम सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सब कार्यकर्ता और देश मे रहने वाला प्रत्येक नागरिक सौभाग्यशाली है, क्योंकि वह इस देश का स्वर्णिम काल व नरेंद्र मोदी का सशक्त नेतृत्व देख रहा है। जो इस संगठन को गढ़ने वाली पीढ़ियों नही देख पाई। जब देश को आज़ादी मिली उसके बाद जो कांग्रेस सरकार बनी उसने स्वर्ग कहने जाने कश्मीर को धारा 370 लगाकर कलंक लगाने का काम किया।

चैत्रोत्सव कार्यक्रम संपन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करहाड़े ब्राह्मण मालवांचल के तत्वावधान में चैत्रोत्सव कार्यक्रम रविवार को इन्दौर मे रानी सतीगेट स्थित सन्तोष सभागृह मे सानंद संपन्न हुआ। प्रवक्ता पद्माकर पाध्ये ने बताया कि सर्वप्रथम मातृशक्ति द्वारा चैत्रगौरी का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम एवं आगंतुक महानुभावों का शीतल पेय देकर स्वागत किया गया, पश्चात परिसर मे रचना भागवत विप्रदास द्वारा निर्मित भव्य एवं आकर्षक रंगोली पर मातृशक्ति द्वारा गुडी बांधकर पूजन अर्चन किया गया। सभागार में मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन कर रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना सुमधुर वाणी में सौ.शुभांगी पारोलकर ने प्रस्तुत की। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष चैत्र प्रतिपदा एवं रामनवमी के अवसर पर आयोजित इस उत्सव में इस वर्ष पुणे से आमंत्रित सुप्रसिद्ध गायक अभिजीत पंचभाई एवं राजेंद्र गलगले ने विश्वप्रसिद्ध रचना गीत रामायण की भावपूर्ण एवं भक्तिमय प्रस्तुति से संपूर्ण वातावरण राममयहो गया। हर्षद शेवगांवकर (कीपेड़),अक्षय चिखलीकर (हारमोनियम), कपिल रावल (तबला), विवेक थोरात (तालवाद्य) ने संगत देकर इस कार्यक्रम को रोचक बनाया। रंगारंग कार्यक्रम में संस्था की मातृशक्ति द्वारा राम जन्मोत्सव के प्रसंग पर रामलला की सुसज्जित पालकी यात्रा एवं बाल प्रतिभा आरोही निवसरकर की आकर्षक नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। रामजन्मोत्सव पर पंजीरी वितरण सौ.आरोही पंडित ने किया। मंच संचालन सौ.नीलिमा रायकर ने किया, अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार प्रदर्शन संस्था अध्यक्ष प्रभात अंबर्डेकर ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजन श्रीश सरवटे अनिरुद्ध कात्रे, सौ.नेहा पित्रे ने किया। फोटो मंचासीन गायक, पालकी यात्रा एवं उपस्थित समाजजन।

स्वर्गीय गेहलोत की पुण्यतिथि पर नारी शक्ति सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत की पूज्य माताजी स्व गौरा बाई गेहलोत की 16 वी पुण्यतिथि पर शनिवार को पुष्पांजलि एवं नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मातृशक्तियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर परिषद अकोदिया अध्यक्ष रचना शर्मा विशेष अतिथि महिला मंडल तहसील अध्यक्ष रेखा खत्री अखिल भारतीय अग्रवाल महिला महासभा जिला अध्यक्ष ममता अग्रवाल मीनाक्षी चौरासिया नगर अध्यक्ष वर्षा कुशवाह उपस्थित थी कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बिंदु सोनी ने की सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा स्वर्गीय गौरा बाई गेहलोत के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि की गई कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रचना शर्मा ने कहा कि प्रतिवर्ष माताजी गौरा बाई गेहलोत की पुण्यतिथि पर डॉक्टर गेहलोत द्वारा सामाजिक कार्य किए जाते हैं उसी के तहत आज नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन कर मातृ शक्तियों का सम्मान किया है उसके लिए उनके प्रयासों की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया इस अवसर पर उपस्थिति मातृ शक्तियों का शाल श्रीफल भेंटकर अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल नगर मीडिया प्रभारी संजय शर्मा शरद जैन गोलू गुप्ता मनीषा परमार हनी गुप्ता शीतल सोनी हर्षिता जायसवाल रीना सोनी रीता अग्रवाल प्रेमलता पेजवाल नीलम चौरासिया ममता चौरासिया प्रज्ञा अग्रवाल आरती प्रजापति ममता परमार सरोज गोयल पुष्पा अग्रवाल इंदिरा गोयल सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल उपस्थित थी कार्यक्रम का संचालन सतीश राठौर ने किया एवं आभार डॉक्टर सुशील गेहलोत ने व्यक्त किया।

भाजपा का स्थापना दिवस मनाया, आतिशबाजी के साथ बांटी मिठाई

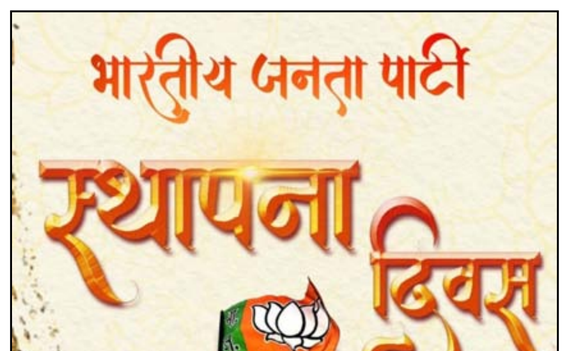

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के सभी 6 मंडलों में मनाया गया। बूथों पर कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस मनाकर अपने बूथ से भाजपा की प्रचंड जीत का संकल्प भी लिया। इसके पहले सुबह कार्यकर्ताओ ने अपने अपने घरों पर भाजपा का झंडा लहराया।

नगर मंडल द्वारा बड़ी चौपाटी स्थित भाजपा कार्यालय पर स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओ ने शुरुआत में भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों का पूजन कर दीप प्रज्ज्वलित किया। भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में हुई थी। उसी समय से कड़े संघर्ष व विपरीत परिस्थितियों में भी निष्ठावान कार्यकर्ताओ के बलबूते पर बूथ स्तर पर काम करके आज यह मुकाम पाया। भाजपा एक राष्ट्रवादी दल है जो भारत को विश्व में एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नींव और रीढ़ बताया। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी विश्व के सबसे लोकप्रिय दल के रूप में उभरी है। भाजपा एक राष्ट्रवादी दल है। यह भारत को एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पार्टी को मजबूत बनाने वाले पूर्व कार्यकर्ताओं को भी याद किया।

पूर्व मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए तन, मन, धन न्यौछावर करना ही सच्चा राष्ट्रप्रेम है। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय से भारतोदय के सपने को साकार करने के लिए पार्टी का हर कार्यकर्ता पूर्ण निष्ठा से कार्य करता है। कार्यक्रम को भाजपा के वक्ताओं ने भी संबोधित कर पार्टी के स्थापना से लेकर आज तक के इतिहास पर प्रकाश डाला व बूथ मजबूती का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन पार्षद जितेंद्र शर्मा ने किया। आभार एल्डरमेन कन्हैयालाल गुर्जर ने माना। इस मौके पर आतिशबाजी कर मिठाई भी बांटी गई व एक दूसरे को बधाई दी। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह चौहान ने दी।

बड़नगर अनाज व्यापारी संघ की नई कार्यकारिणी का गठन

मांगीलाल ओरा अध्यक्ष और दिलीप पोरवाल सचिव नियुक्त

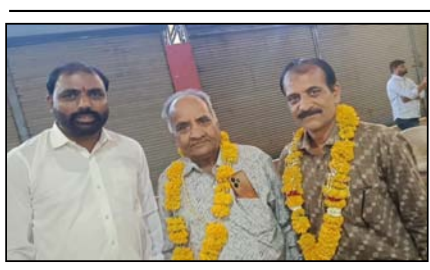

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। स्थानीय अनाज व्यापारी संघ की साधारण सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 5 अप्रैल को संघ के वरिष्ठ सदस्य कैलाश ओरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संघ की मजबूती और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी के चुनाव एवं मनोनयन का निर्णय लिया गया।

व्यापारी हितों को ध्यान में रखते हुए, सभा में सर्वानुमति से मांगीलाल ओरा को अध्यक्ष पद की कमान सौंपी गई। अध्यक्ष चुने जाने के पश्चात श्री ओरा ने अपनी टीम की घोषणा की, जिसमें अनुभवी और युवा चेहरों को शामिल किया गया है।

घोषित कार्यकारिणी

संरक्षकः कैलाश ओरा

परामर्शदाताः मनोज बिलाला एवं कैलाश चंद्र चौहान

अध्यक्षः मांगीलाल ओरा

उपाध्यक्षः अंकित राठौर एवं पीयूष बिलाला

सचिवः दिलीप पोरवाल

सह सचिवः आनंद भावसार

कोषाध्यक्षः पवन सियाल

संगठन मंत्रीः अजय सियाल

मीडिया प्रभारीः संतोष बगेरवाल

कार्यकारिणी सदस्य

बैठक में कैलाश चौहान, सुनील जायसवाल, निशीत शाह, अंशुल जैन, अरमान खाबीया, हेमंत मेहता, हरीश पाटीदार, सिद्धार्थ, दिनेश जाट, सुनील पोरवाल, रवि पाटीदार, संयम जैन, राकेश शर्मा एवं नारायण सिंह राठौर को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री मांगीलाल ओरा ने कहा कि संघ व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण और व्यापार को सुगम बनाने के लिए सदैव तत्पर रहेगा। बैठक के समापन पर सहभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में संगठन मंत्री अजय सियाल ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

जानकारी मीडिया प्रभारी, संतोष बगेरवाल द्वारा दी गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने किया पेय पदार्थों के विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण परीक्षण हेतु लिये नमूने

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार गर्मियों के दौरान बाजार में बिकने वाले पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने आज सोमवार को कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर पेय पदार्थों के नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार दुबे से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को की गई निरीक्षण की कार्यवाही के दौरान तीन पत्ती चौक, जहांगीराबाद स्थित इच्छाधारी लस्सी एण्ड मिल्क प्रोडक्टस् से लस्सी तथा मैंगो शेक, मनपसंद फास्ट फूड एण्ड लस्सी कॉर्नर से लस्सी तथा दही, इच्छाधारी लस्सी एलएलपी से लस्सी तथा मेंगो शेक, अधारताल चौराहा स्थित बजरंग लस्सी से लस्सी, कमानिया गेट स्थित नायक दूध भण्डार से लस्सी, बाहुबली दूध भण्डार से मैंगो शेक, गढ़ा रोड़ स्थित लक्ष्मी जूस से मैंगो शेक एवं पाइनेपल जूस, गुलौआ स्थित दुबे चौपाटी से कोल्ड ड्रिंक एवं आइसक्रीम, बिलहरी स्थित महालक्ष्मी आइसकीम से आइसक्रीम, सालीवाड़ा स्थित महावीर कुल्फी एण्ड लस्सी से लस्सी तथा पाटन स्थित आपका अपना आइसक्रीम से मावा कुल्फी के नमूने लिये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि लिये गये नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल प्रेषित किया गया है। परीक्षण में अमानक पाये जाने पर संबंधित खाद्य करोबार कर्ताओं के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत न्यायालयीन कार्यवाही की जायेगी।

पत्रकार संजय भाटी की बिटिया साक्षी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मानित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिनों पशुपतिनाथजी मंदिर के समीप स्थित द्वारिकाधीश मंदिर व धर्मशाला परिसर में संत श्री पीपाजी महाराज की 703वीं जन्म जयंती मनाई गयी। इस मौके पर श्री पीपा क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के द्वारा समाज के 16 प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। इसके अंतर्गत कक्षा 10वीं की माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक लाने पर ट्रस्ट के द्वारा श्री प्रेमप्रकाश सोलंकी परिवार के सौजन्य से सुश्री साक्षी पिता संजय भाटी (पत्रकार) को प्रशस्ति पत्र, शिल्ड भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अतिथि पंकज पंवार (रतलाम), राजेश मकवाना, गोपाल चावडा, हीरालाल चौहान, संतोष परमार, पप्पू सौलंकी (पत्रकार तुरकिया), ललित कनेरिया पिपल्यामंडी, ट्रस्टी आनंद भाटी, मुकेश सोलंकी, अम्बालाल देवड़ा, मदन गेहलोत, ललित भाटी, रमेशचंद्र पालीवाल, राजेश गेहलोत आदि के द्वारा सुश्री साक्षी भाटी पिता संजय भाटी का सम्मान किया गया।

ट्रक की चपेट में आने से नीलगाय (घोड़ारोज) की मौत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों का कहर बेजुबान जानवरों के लिए काल बन रहा है। सोमवार दोपहर बमनसुता के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक नीलगाय (घोड़ारोज) की ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना सोमवार दोपहर की है जब एक नीलगाय सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान तेज गति से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नीलगाय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मृत नीलगाय सड़क के बीचों-बीच पड़ी रही, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। वहां से गुजरने वाले राहगीरों ने इसकी सूचना संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन को दी। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग पर वाहनों की गति अधिक होने के कारण अक्सर वन्य प्राणी हादसों का शिकार होते रहते हैं।

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए चिन्हित स्थानों पर गति अवरोधक या चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, ताकि बेजुबान जानवरों को असमय मौत से बचाया जा सके।

गांजा तस्करी के प्रमुख सप्लायर- 10,000/- रुपए के ईनामी बदमाश को स्वीफ्ट कार व 4 किलो 200 ग्राम गांजे के साथ किया गिरफ्तार

गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी बार-बार बदल रहा था अपना ठिकाना

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भाटपचलाना थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी व उनकी टीम के द्वारा लगातार थाना क्षेत्र में अवैध क्रिया कलाप, मादक पदार्थ कि तस्करी करने वाले अपराधियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना भाटपचलाना पुलिस द्वारा मादक पदार्थ गांजे कि तस्करी के प्रमुख सप्लायर - 10,000 -/रुपए के ईनामी बदमाश दीपक पिता देवि सिंह कुशवाह उम्र 29 साल निवासी ओझा कालोनी नागदा को 4 किलो 200 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

थाना भाटपचलाना पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ कि तस्करी करने वाले आरोपीगणो के विरुद्ध लगातार कि जा रही कार्यवाही के अन्तर्गत दिनांक 26.02.2026 को भाटपचलाना पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ (गांजा) तस्कर नारायण सिहं पिता हरेसिहं पवार निवासी ग्राम लोहारी को मादक पदार्थ कि तस्करी करते गिरफ्तार जाकर आरोपी नारायणसिह पंवार के विरुद्ध अपराध क्रमांक 78/2026 धारा 8/20 NDPD ACT का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान तथ्यात्मक पूछताछ तथा विवेचना में आए प्रमाणो के आधार पर ज्ञात हुआ कि तस्कर नारायण सिहं पवार अपने साथी तस्कर दीपक पिता देवी सिंह कुशवाह उम्र 29 साल निवासी ओझा कालोनी नागदा से मादक पदार्थ (गांजा) कि खरीदी कर तस्करी करता था। दीपक कुशवाह सप्लायर के रुप मे गांजे के तस्करी करता था जो नारायण सिंह व अन्य को गांजे कि खेप पहुंचाता था। घटना दिनांक से ही आरोपी दीपक कुशवाह फरार था। दीपक कुशवाह कि गिरफ्तारी पर अधीक्षक उज्जैन द्वारा 10,000/-रुपए का ईनाम घोषित किया था।

इसीक्रम मे थाना भाटपचलाना पुलिस द्वारा दिनांक 03.04.2026 को मादक पदार्थ कि तस्करी करते झाबरी रोड पुलिया के पास ग्राम खरसोदकला से घेराबंदी कर तस्कर महेश पिता अमरसिहं भीलवाडा निवासी ग्राम खरसोदकला को 01 किलो 840 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 129/2026 धारा 8/20 NDPD ACT का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पछताछ के दौरान महेश द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा फरार तस्कर दीपक पिता देवीसिंह कुशवाह निवासी ओझा कालोनी नागदा से खरीदना बताया। दीपक कुशवाह जो कि पुर्व से थाना भाटपचलाना का 10,000/- रुपए का ईनामी बदमाश होकर लगातार मादक पदार्थ गांजा तस्करी में प्रमुख रुप से संलिप्त था। थाना प्रभारी सतेन्द्र सिहं चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कि जाकर मुखबिर सुचना व तकनीकि साक्ष्य के सहायता से विभिन्न जगहो पर दबिश दी जाकर प्रमुख ईनामी मादक पदार्थ तस्कर (सप्लायर) दीपक पिता देवीसिहं कुशवाह निवासी ओझा कालोनी नागदा को कल दिनांक 05.04.2026 को उसकी मारुति स्वीफ्ट कार क्रमांक MP13CA7762 सहित मुक्तेश्वर महादेव मंदीर के पास से पकड़ा गया तथा आरोपी दीपक सिंह कुशवाह कि स्वीफ्ट कार कि डिक्की में छिपाकर रखा 04 किलो 200 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया व कार को भी जप्त किया गया तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी दीपक कुशवाह को विशेष न्यायालय NDPD ACT उज्जैन में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाकर गांजे के अन्य स्त्रोत व सम्पूर्ण चेन के संबंध मे पुछताछ कि जाएगी।

आपराधिक रिकार्ड- दीपक पिता देविसिंह कुशवाह उम्र 29 साल निवासी ओझा कालोनी नागदा।

आपराधिक प्रवृति आरोपी के विरुद्द पूर्व में एक नकबजनी का अपराध पंजीबद्द है।

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी, उनि प्रतीक यादव (साइबर सेल), सउनि शैतानसिंह डिण्डोर प्रआर.773 पुष्पराज सिंह प्रआर.627 अमर सिंह, प्रआर 796 हरिगोविन्द सिहं, आर. 1835 राजेश सोयल, हितेश निम्बोला, आर. 1344 उदय सिंह, आर. सुन्दरलाल भवर, आर मुकेश नागर, आर. जीवन जाट, म.आर. 1376 सीमा सिंघाड, सैनिक कृष्णा धाकड, सैनिक अजयपाल निहं, सैनिक अभिषेक योगी।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री एवं जिला विकास सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष डॉ. कुँवर विजय शाह की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सुझाव, सलाह एवं विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया उपस्थित रहे। बैठक में जिले की जनता, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों की आवश्यकताओं एवं सुझावों के आधार पर दीर्घकालीन विकास योजनाएं तैयार करने पर बल दिया गया। जिले के पारंपरिक कौशलों को चिन्हित कर प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल के सिद्धांत के अनुरूप उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने तथा जिले की समृद्धि का रोडमैप तैयार करने पर विचार किया गया। साथ ही स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, नवाचारों को योजनाओं के रूप में विकसित करने तथा रोजगार सृजन एवं विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सुझावों पर चर्चा हुई।. बैठक में उद्योग, व्यापार, जल संरचना संरक्षण, निर्यात, कृषि, खनिज एवं पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जिले की कार्ययोजना तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिले के समग्र विकास के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए, जिनमें जिला मुख्यालय पर अंतरराज्यीय बस अड्डे का निर्माण, थांदला- पेटलावद मार्ग को फोरलेन से 8 लेन से जोड़ना, हवाई पट्टी का उन्नयन कर छोटे हवाई अड्डे का निर्माण एवं पायलट प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना, अनास अंतरराष्ट्रीय नदी परियोजना का निर्माण, सौर ऊर्जा क्षेत्र में पहचान स्थापित करते हुए सोलर पावर प्लांट की स्थापना के प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

अखिल भारतवर्षीय उमंग महिला परिषद का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इन्दौर जाल ऑडिटोरियम में अखिल भारतवर्षीय उमंग महिला परिषद का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सर्वसम्मति से अध्यक्ष रिंकू अजमेरा, सचिव मोनिका कासलीवाल तथा कोषाध्यक्ष साधना अजमेरा ने पद की शपथ ग्रहण की। यह समारोह सभी केंद्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के सानिध्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें निर्मला जी जैन द्वारा शपथ दिलाई गई तथा हमारे मुख्य अतिथि ग्वालियर से पधारी प्रांतीय अध्यक्ष माधवी जी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सोनल बाकलीवाल द्वारा किया गया, वहीं तंबोला का आयोजन सरिता जी द्वारा प्रायोजित रहा। पूर्व अध्यक्ष हेमलता गोधा ने स्वागत भाषण देते हुए सदस्यों को बचत का संकल्प दिलाया तथा उनका अभिनंदन पत्र भेंट किया गया, जिसका वाचन साधना अजमेरा द्वारा किया गया। इसी क्रम में हमारे सम्माननीय संरक्षकगण–नीताजी कासलीवाल, दीपालीजी कासलीवाल एवं मीना जी के सानिध्य एवं मार्गदर्शन से कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्राप्त हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन रिंकू अजमेरा ने दिया तथा अंत में आभार प्रदर्शन मोनिका कासलीवाल द्वारा किया गया। मीनू कटारिया ने बताया कार्यक्रम की सफलता में सभी बोर्ड मेंबर्स–प्रीति जी, पूजा जी, संगीता जी, दीपाली जी, मोनिका जी, निशा जी, शशि जी, नम्रता जी, दीप्ति जी का विशेष सहयोग रहा। यह आयोजन उत्साह, एकता और सेवा भाव का सुंदर उदाहरण रहा।

103 वर्षीया कमलाबाई बोहरा को 'मृत्यु महोत्सव' के रूप में दी अंतिम विदाई, नागदा में अनूठी पहल

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा के बोहरा परिवार में आज शोक के बीच एक प्रेरणादायक और अनूठी सामाजिक पहल देखने को मिली। 103 वर्ष की आयु में श्रीमती कमलाबाई बोहरा का निधन हो गया। वे स्वर्गीय भेरूलाल जी बोहरा की धर्मपत्नी थीं तथा भाटीसुडा वाले बोहरा परिवार की वरिष्ठतम सदस्य के रूप में समाज में अत्यंत सम्मानित और श्रद्धा का केंद्र रही हैं।

उनकी अंतिम यात्रा आज प्रातः 10-00 बजे गुलाब बाई कॉलोनी, नागदा से निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन, इष्टमित्र एवं परिजन शामिल हुए। सभी ने नम आँखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके दीर्घ एवं प्रेरणादायक जीवन को स्मरण किया।

इस अवसर की सबसे विशेष बात यह रही कि बोहरा परिवार ने पारंपरिक शोक प्रथाओं से हटकर एक सकारात्मक और समाज को नई दिशा देने वाला निर्णय लिया। परिवार ने स्वर्गीय कमलाबाई जी की अंतिम विदाई को 'मृत्यु महोत्सव' के रूप में मनाने का संकल्प लिया। इसके तहत प्रतिदिन बैठक, उठावना, शोक निवारण तथा मृत्यु भोज जैसी परंपराओं को न करने का निर्णय लिया गया। परिवार के इस निर्णय को समाजजनों ने सराहनीय और अनुकरणीय पहल बताया।

उल्लेखनीय है कि इस विचार की नींव पूर्व में ही रखी जा चुकी थी। 18 नवम्बर 2024 को जैन श्रीसंघ नागदा की आज्ञा एवं मार्गदर्शन में बोहरा परिवार द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि कमलाबाई जी के शतायु जीवन को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा और परंपराओं में सादगी एवं सकारात्मकता को अपनाया जाएगा। इसी क्रम में उनका शतायु महोत्सव एवं स्वामीवात्सल्य कार्यक्रम भी बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया था।

अब उनके निधन के पश्चात भी परिवार ने उसी भावना को आगे बढ़ाते हुए गरिमामय, धार्मिक मर्यादा और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अंतिम संस्कार संपन्न किया। यह पहल न केवल परंपराओं में बदलाव का संकेत है, बल्कि समाज में सादगी, जागरूकता और आध्यात्मिक सोच को भी प्रोत्साहित करती है।

समाज के प्रबुद्धजनों ने इस आयोजन को सामाजिक जागरूकता, धार्मिक आस्था और सादगी की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम बताया।

इस अवसर पर गच्छाधिपति श्री नित्यसेन सूरीश्वरजी म. सा. द्वारा मोहनखेड़ा तीर्थ स्थित जयन्तसेन म्यूजियम से परिजनों को धार्मिक आराधना हेतु प्रेरणादायक पत्र भी भेजा।

जल गंगा संवर्धन अभियान तहत ग्राम पंचायत सरोदा में तैयार किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा डिफंक्ट बोर से रिचार्ज पिट का निर्माण कर, एक मॉडल बनाया गया है। उक्त रिचार्ज पिट कार्य को सुंदर सुलभ रूप से ग्राम पंचायतें अपना सके, इसके लिए विस्तृत रिपोर्ट क्रमवार तैयार की गई है, जिले में अनुपयोगी हो चुके बोरवेल पर उक्त पिट के निर्माण से वर्षा जल पुर्नभरण का कार्य भूजल स्तर को बढ़ाने के उपयोग में सहायक रहेगा। यह मॉडल वेस्ट टू वेल्थ के रूप में आदर्श रहेगा। यह जानकारी लोक स्वा.यां.विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री दीपेश वास्पत ने दी है।

समयावधि पत्रों की आयुक्त ने की समीक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त दलीप कुमार ने सोमवार 6 अप्रेल को समयावधि पत्रों की समीक्षा निगम बैठक हाल में की। बैठक मे आयुक्त ने टी.एल. मे प्राप्त आवेदनों पर विस्तृत रूप से चर्चा कर जानकारी ली। जिन शिकायतों का निरकारकण नही हुआ है उन शिकायतों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिये।

विद्युत कनेक्शनों के पॉवर फेक्टर का परीक्षण पर चर्चा की वहीं 15 तथा 22 एचपी पम्पों के मेंटनेंस के साथ नये पम्प लगाये जाने की जानकारी लेते हुए नये पम्प लगाये जाने के कार्य को शीघ्रता से करने हेतु कहा। दोनो एसटीपी प्लांट के विद्युत बिलों मे सुधार के लिए सहायक यंत्री जगदीश वर्मा को निर्देशित किया।

पीएम स्वनिधि के कार्यो की प्रगति की रिपोर्ट ली तथा प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करने हेतु एनयुएलएम शाखा प्रभारी विशाल जगताप को कहा। साथ ही क्रेडिट कार्ड वितरण तथा नये आवेदन करवाने के साथ ही संबल योजना पर कार्य लंबित न रहे जो आवेदन ब्लॉक हैं उस पर लेबर आफिसर से चर्चा कर निराकरण करावयें तथा स्ट्रीट वेल्डरों के आवेदनों को बढवायें। आवारा मवेशी एवं आवारा श्वानो को पकडने की कार्रवाई के साथ गौशाला की जानकारी ली। गौशाला मे भूसे के भंडार पर्याप्त मात्रा पर चर्चा कर भूसे के भण्डार के लिए शेड का निर्माण शीघ्रता करवाये जाने हेतु साहयक यंत्री सौरभ त्रिपाठी तथा गौशाला प्रभारी हरेन्द्रसिह ठाकुर को कहा।

आयुक्त ने कहा कि मैरीज गार्डन, धर्मशाला, जमान खाना ऐसे प्रतिष्ठानों को चेक करें उनसे निकलने वाले वेस्ट मटेरियल को सिवरेज से तो नही जोडा गया है अगर जोडा गया है तो उन पर स्पॉट फाईन की कार्रवाई के साथ सुधार करवाये जाने के निर्देश स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार को दिये।

सहायक यंत्री श्री वर्मा को सिवरेज के नेटवर्क पर फौकस करने तथा प्रत्येक वार्ड में चेक करने के साथ ही चेम्बरों को चेक कर त्रुटियों मे सुधार के निर्देश देते हुए गंभीरता से सिवरेज के पाईट चेक करने हेतु कहा तथा शिकायतों के निराकरण तथा व्यवस्था मे सुधार करने की हिदायत दी। वहीं आगामी दो माह बाद किये जाने वाले पौधारोपण पर स्थान चयन हेतु आयुक्त ने कहा।

संकल्प से समधान अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों में जो हितग्राही छूट गये है उन्हें सम्मिलित करें। वहीं पानी वितरण तथा पीने के पानी को लेकर प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए उपयंत्री राजेश कौशल को प्रतिदिन वार्डो में मानिटरिंग कर निराकरण करने हेतु कहा।

इसी के साथ जिन वार्डो मे अमृत 2.0 पानी की लाईन डाली जा चुकी है उन वार्डो में पूर्णतः नवीन कनेक्शन करवाये जाने के निर्देश के साथ पुरानी लाईन से सप्लाय बंद करने हेतु संबंधित उपयंत्रियों को कहा। इसी के साथ आयुक्त ने समयावधि पत्रों के समय पर निराकरण करने तथा किये जा रहे कार्यो में शीघ्रता लाने तथा सिवरेज कनेक्शन कार्य शीघ्रता से करवाये जाने हेतु सभी स्वच्छता निरीक्षकों को कहा।

एसबीएम नोडल सौरभ त्रिपाठी को आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए की जाने वाली तैयारियों की जानकारी ली तथा गाईड लाईन अनुसार कार्य किये जाने के निर्देश दिये।

सुसनेर में मानवता शर्मसार, पुलिया के नीचे नाले में मिला नवजात का शव

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के नरबदिया नाला स्थित पुलिया के नीचे सोमवार को एक हृदय विदारक घटना सामने आई जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। नाले में एक शिशु का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया है और नगरवासियों में आक्रोश व दुख का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह किसी राहगीर की नजर पुलिया के नीचे नाले में पड़े शव पर पड़ी जिसके बाद उसने आसपास के लोगों को सूचना दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। प्रारंभिक जांच में यह शव करीब 5 माह के गर्भस्थ शिशु का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा भ्रूण को यहां लाकर नाले में फेंक दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मौके का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा शव का पीएम कर आगे की प्रक्रिया पूरी की गई। प्रथम दृष्टया मामला अवैध रूप से भ्रूण को फेंकने से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। आसपास के क्षेत्रों में भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है। घटना के बाद से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। स्थानीय लोगों ने इस अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए कलंक हैं और ऐसे मामलों में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस घटना से जुड़े तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

इनका कहना- मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है, हर पहलू से जांच की जा रही है।

-अक्षय सिंह बेस थाना प्रभारी सुसनेर

एच पी व्ही टीकाकरण अभियान अंतर्गत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित की जावे -संभागायुक्त

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने आज संभागीय अधिकारियों के साथ समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा कर लंबित समयावधि पत्रों के प्रतिवेदन समय सीमा में प्रेषित करने हेतु संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान गेहूं उपार्जन के संबंध में विभागीय अधिकारियों को शासन निर्देशानुसार कार्यवाही निर्धारित समय सीमा में करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि संभागीय अधिकारी जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन व मॉनिटिरिंग के लिए आवंटित जिलों के विकास खण्डों में प्रत्येक सप्ताह निर्धारित भ्रमण सुनिश्चित करें। संभागायुक्त द्वारा एच. पी.व्ही. टीकाकरण अभियान अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सभी जिलों से समय सीमा में सुनिश्चित कराने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

संकल्प से सिद्धि तकः भाजपा के गौरवशाली 47वें स्थापना वर्ष समारोह को मंडल कार्यालय पर उत्साह से मनाया, ध्वजारोहण व रैली निकाली

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार, 6 अप्रैल को नागदा नगर मंडल द्वारा एमजी रोड, प्रकाश टाकीज स्थित पार्टी कार्यालय पर विविध कार्यक्रमों के साथ गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विजय पटेल ने की।

प्रातः 9-00 बजे पार्टी कार्यालय पर विधिवत ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर कार्यालय को आकर्षक सजावट, रंगोली एवं गुब्बारों से सुसज्जित किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात कार्यकर्ताओं को मिठाई वितरित की गई तथा नगर के प्रमुख मार्गों पर उत्साहपूर्वक रैली निकालकर जनजागरण का संदेश दिया गया।

समारोह में मुख्य रूप से विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, आलोट के पूर्व विधायक जितेंद्र गहलोत, मंडल अध्यक्ष विजय पटेल, सांसद प्रतिनिधि ओमप्रकाश गेहलोत, पूर्व नपा अध्यक्ष गोपाल यादव सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं महिला मंडल की सहभागिता रही।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी की संकल्प से सिद्धि तक की गौरवशाली यात्रा, संगठन के विस्तार एवं सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इसके पश्चात कार्यकर्ता वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश ओझा के निवास पहुंचे, जहां उनका सम्मान किया गया। ओझा ने अपने संबोधन में संगठन के प्रति समर्पण एवं कार्यकर्ताओं की एकजुटता की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। नगर मंडल के कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल सोनी को उनके जन्मदिन पर पुष्पमाला पहनाकर नगर मंडल द्वारा स्वागत किया गया।

समारोह का संचालन महामंत्री दौलतराम प्रजापत ने किया एवं आभार महामंत्री सूरज मकवाना ने माना। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। जानकारी नगर मंडल के मीडिया प्रभारी निलेश मेहता ने दी।

समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक संपन्न, आम नागरिकों से जुड़ी कठिनाईयों को प्राथमिकता से निराकृत करें- कलेक्टर

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। समय सीमा प्रकरणों की आज सोमवार को आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता बरतने तथा प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश सभी विभागों के जिला अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह ने बैठक में समय सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित और आवेदकों की संतुष्टि के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने की हिदायत भी जिला अधिकारियों को दी। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत भी मौजूद थे। बैठक में जिले मे जनगणना की चल रही तैयारियों तथा समग्र-ई केवायसी के कार्य में प्रगति की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्री सिंह बैठक की शुरुआत में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आठ अप्रैल के जबलपुर के प्रस्तावित प्रवास के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की समय रहते तैयारियां पूरी करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिये। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ यादव आठ अप्रैल के प्रस्तावित प्रवास के दौरान जल गंगा सवंर्धन अभियान के तहत महाराजपुर स्थित ऐतिहासिक बावली की सफाई के लिये श्रमदान के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मंथन के कार्यक्रम में, गोहलपुर स्थित पुलिया के भूमिपूजन के कार्यक्रम में तथा एमएलबी स्कूल में आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही गौरीघाट स्थित आयुर्वेद कॉलेज परिसर में स्वामी रामभद्राचार्य जी के सान्निध्य में आयोजित रामकथा में तथा मानस भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट के कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने प्रस्तावित प्रवास के दौरान शामिल होंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में जल सरंक्षण और जल संवर्धन की चलाई जा रही गतिविधियों की समीक्षा भी की।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल सवारी से पहले दानी गेट मार्ग होगा चौड़ा, कलेक्टर का सख्त अल्टीमेटम

निरीक्षण में अतिक्रमण हटाने और नाली निर्माण के भी दिए आदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 और महाकाल सवारी को ध्यान में रखते हुए सोमवार को कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त के साथ ढाबा रोड से दानी गेट तक चल रहे चौड़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया और साफ शब्दों में कहा,काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी।

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह पूरा कार्य आगामी महाकाल सवारी से पहले हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह मार्ग शहर की प्रमुख धार्मिक और यातायात व्यवस्था से जुड़ा है, इसलिए समय सीमा में काम पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताई और मौके पर ही गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आम नागरिकों को कम से कम परेशानी हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

अतिक्रमण पर सख्ती, मौके पर ही हटाने के निर्देश- मार्ग चौड़ीकरण में बाधा बन रहे एक अतिक्रमण को देखकर कलेक्टर ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जरूरत पड़ने पर सख्त कदम उठाए जाएं।

नाली निर्माण भी जल्द शुरू करने को कहा- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जल निकासी की समस्या पर भी ध्यान दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पहले नाली का पानी व्यवस्थित रूप से निकाला जाए और इसके बाद नाली निर्माण कार्य तुरंत शुरू किया जाए, ताकि बारिश के समय जलभराव की समस्या न बने।

इस दौरान नगर निगम के इंजीनियर और संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। कलेक्टर ने सभी को चेताया कि कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा दोनों पर कोई समझौता नहीं होगा।

उज्जैन की दुर्गेशनंदिनी शेखावत ने राष्ट्रीय स्तर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की श्रीनगर कॉलोनी, मक्सी रोड, गोपालपुरा निवासी सुश्री दुर्गेशनंदिनी शेखावत ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति और उत्कृष्ट खेल कौशल से एक नई मिसाल कायम की है। गत दिनों गुवाहाटी (असम) में 25 से 28 मार्च 2026 तक आयोजित दूसरी पैरा नेशनल लॉन बाउल्स चैंपियनशिप में उन्होंने क्व8 डबल्स कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया है। सुश्री शेखावत को इस अवसर पर कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा द्वारा बधाई दी गई और उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

यह प्रतियोगिता ऑल असम लॉन बाउल्स एसोसिएशन के तत्वावधान में इंडियन लॉन बाउल्स फेडरेशन एवं पैरा ओलंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के संयुक्त संयोजन में आयोजित हुई थी। इसमें देश के 16 राज्यों के महिला एवं पुरुष दिव्यांग खिलाड़ियों ने भाग लिया। मध्य प्रदेश के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि दुर्गेशनंदिनी उज्जैन जिले की पहली दिव्यांग खिलाड़ी हैं जिन्होंने राष्ट्रीय पैरा लॉन बाउल्स प्रतियोगिता में पदक हासिल किया है। मैच में मध्य प्रदेश ने उत्तराखंड को 11-9 से हराया और हरियाणा को 12-7 से पराजित किया। इन दोनों जीतों के साथ दुर्गेशनंदिनी शेखावत ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया और मध्य प्रदेश पैरा लॉन बाउल्स टीम को गौरवान्वित किया।

मध्य प्रदेश पैरा लॉन बाउल्स एसोसिएशन के सचिव श्री सूर्यदत्त जोशी तथा टीम कोच श्री सक्षम प्रजापति ने दुर्गेशनंदिनी के शानदार प्रदर्शन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की कामना की। यह उपलब्धि न केवल उज्जैन व मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह साबित करती है कि दिव्यांगता कोई बाधा नहीं, बल्कि नई ऊंचाइयों को छूने का प्रेरणास्त्रोत बन सकती है।

राजपूत समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन में 80 से अधिक रिश्ते तय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एवं राजपूत सोशल ग्रुप के तत्वावधान में देवास रोड स्थित शर्मा परिसर में राजपूत समाज का भव्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न हुआ। इस आयोजन में 80 से अधिक रिश्ते तय हुए। कार्यक्रम की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विदेशों में रहने वाले समाजजन भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्मेलन में सम्मिलित हुए।

देश-विदेश से मिलीं 800 से अधिक प्रविष्टियां- कार्यक्रम संयोजक किशोर सिंह भदौरिया और नरेश सिंह भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन के लिए देश-विदेश से 800 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नागदा-खाचरौद विधायक श्री तेजबहादुर सिंह चौहान, भिंड के समाजसेवी देवेंद्र सिंह भदौरिया, सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक डॉक्टर रमन सिंह सिकरवार, राम कथा वाचक श्री शुलभ शर्मा, इंदौर के जोगेंद्र सिंह भदौरिया और ददुरवा धाम के मनीष महाराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री ब्रिजपाल सिंह तोमर ने की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा परिचय पत्रिका वैवाहिकी का विमोचन किया गया।

हिरासत में चोरी के टायर बेचने निकले दो युवक, अन्य साथियों के संबंध में पूछताछ, पिकअप जप्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में खड़े ट्रक के टायर चोरी करने वाले दो बदमाश पुलिस की हिरासत में आ गए हैं, पूछताछ कर उनके साथियों की जानकारी जुटा जा रही है। बदमाशों से दो टायर और पिकअप जप्त की गई है।

पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि 4 अप्रैल को असीम कुमार तिलकर निवासी किशनपुरा अपने मैनेजर योगेन्द्र चौधरी के साथ थाने आया था और रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह ट्रांसपोर्ट व्यवसाय करता है, उसकी गाड़ियां पाण्ड्याखेड़ी ब्रिज के पास मैदान में खड़ी रहती हैं। रात में खड़े ट्रक पीछे के बाएं साइड के दो एवं दाएं साइड का एक टायर (मय डिस्क) अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिये गए हैं। शिकायत पर चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई क्षेत्रों में सघन तलाश, झाड़ियों, कबाड़ दुकानों एवं अन्य संदिग्ध स्थानों पर पुलिस टीम पहुंची और सीसीटीवी कैमरों का बारीकी से अवलोकन किया गया। तभी मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गरोठ हाईवे, खिलचीपुर के पास एक पिकअप वाहन में दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में ट्रक के टायर बेचने की फिराक में खड़े हैं। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां अगर रोड गरोठ हाईवे सर्विस रोड पर बैरागी मोटर्स लिखी पिकअप गाड़ी खड़ी मिली। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया तथा वाहन चालक को भी हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उनके नाम मुकीम पिता मुमताज,23 वर्ष, इरशाद पिता मुमताज, उम्र 38 वर्ष, निवासी क्षत्री मोहल्ला, घोसला, थाना राघवी, जिला उज्जैन होना सामने आए। दोनों ने टायर चोरी करना कबूल कर लिया और बताया कि अपने साथी रवि उर्फ बेगाना एवं अन्य साथियों के साथ मिलकर पाण्ड्याखेड़ी ब्रिज के पास खड़े ट्रक को निशाना बनाया तथा मौका पाकर ट्रक के तीन टायर मय डिस्क खोलकर पिकअप वाहन में रखकर चोरी कर ले गए थे। दो टायर और पिकअप जप्त कर बदमाशों के अन्य साथियों की तलाश शुरू की है। थाना प्रभारी गमर मंडलोई के अनुसार बरामद टायर और पिकअप की कीमत 11.50 लाख है।

कान्ह डायवर्जन क्लोज डक्ट योजना में सुस्ती...10 लाख की पेनल्टी ठोकी

संभागायुक्त का सख्त एक्शन, मौके पर धीमी प्रगति देख नाराजगी- एक सप्ताह में रफ्तार नहीं बढ़ी तो और भारी जुर्माने की चेतावनी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ संबंधी कार्यों में लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर अब प्रशासन का शिकंजा कसने लगा है। सोमवार को निरीक्षण के दौरान कान्ह डायवर्जन क्लोज डक्ट परियोजना में सुस्त रफ्तार सामने आने पर संभागायुक्त सह मेला अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी पर 10 लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के निर्देश दे दिए।

सोमवार को निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त श्री सिंह को गंगेड़ी क्षेत्र में भूमिगत पाइपलाइन बिछाने का कार्य बेहद धीमी गति से चलता मिला। एजेंसी के इंजीनियरों ने तेज गति से काम होने का दावा किया, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आई। मौके पर केवल एक क्रेन से काम होता देख संभागायुक्त ने नाराजगी जाहिर की और तत्काल जवाब-तलब किया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संभागायुक्त ने ग्राम नलवा में चल रहे कार्य की वीडियो कॉल के जरिए भी हकीकत जानी। वहां भी अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सिंहस्थ जैसे महापर्व की तैयारियों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण एजेंसी वेंसर रिवर बोल्ट को आड़े हाथों लेते हुए 10 लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर कार्य की गति में सुधार नहीं हुआ तो और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संभागायुक्त ने अधिकारियों को भी सख्त निर्देश दिए कि वे रोजाना कार्यों की मॉनिटरिंग करें और प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि समयसीमा में कार्य पूर्ण करना सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में किसी भी प्रकार की देरी पूरे आयोजन को प्रभावित कर सकती है।

इस दौरान उन्होंने अन्य परियोजनाओं हरियाखेड़ी जल संवर्धन, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी योजना का भी निरीक्षण किया, लेकिन सबसे ज्यादा नाराजगी कान्ह डक्ट परियोजना की धीमी रफ्तार को लेकर सामने आई। स्पष्ट है कि अब प्रशासनिक सख्ती के चलते निर्माण एजेंसियों को तय समय में गुणवत्ता के साथ काम पूरा करना ही होगा, अन्यथा आर्थिक दंड के साथ-साथ कड़ी कार्रवाई भी तय मानी जा रही है।

कालभैरव मार्ग पर पलटा ई-रिक्शा, इंदौर का परिवार घायल

दो दिन में दूसरी दुर्घटना, अनियंत्रित रफ्तार और अनुभवहीन चालक बने हादसों की वजह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में तेजी से बढ़ रहे ई-रिक्शा अब सुविधा के बजाय खतरे का कारण बनते जा रहे हैं। रविवार सुबह कालभैरव मार्ग पर एक ई-रिक्शा पलटने से इंदौर से आए परिवार के कई सदस्य घायल हो गए। इससे पहले शनिवार रात भी टक्कर के बाद एक अन्य ई-रिक्शा पलट गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने यात्री सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, इंदौर के बाणगंगा निवासी राजेंद्र नामदेव अपने परिवार के नौ सदस्यों के साथ उज्जैन दर्शन के लिए आए थे। महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद वे गढ़कालिका होते हुए कालभैरव जा रहे थे। सुबह करीब साढ़े 9 बजे अचानक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में राजेंद्र सहित परिवार के कई लोग घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए चरक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दुर्घटना में चालक अजय भी घायल हुआ है। इसी तरह शनिवार-रविवार की दरमियानी रात सांवेर रोड स्थित टेढ़ी खजूर दरगाह के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक और ई-रिक्शा पलट गया था। हादसे में भोपाल से आए दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नंबर प्लेट से खुलेगा राज- शनिवार रात हुए हादसे में कार चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन उसकी गिरी नंबर प्लेट पुलिस के हाथ लग गई है। अन्य ई-रिक्शा चालकों ने नंबर प्लेट उठाकर परिजनों के माध्यम से पुलिस को सौंप दी। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, जिससे आरोपी तक पहुंचने की उम्मीद है।

अनुभवहीन चालक बढ़ा रहे खतरा- शहर में बड़ी संख्या में बिना पर्याप्त प्रशिक्षण के ई-रिक्शा चालक सड़कों पर उतर रहे हैं। तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते लगातार हादसे हो रहे हैं। प्रशासन द्वारा सख्ती नहीं किए जाने से स्थिति और गंभीर होती जा रही है। लगातार दो दिनों में हुए हादसों ने साफ कर दिया है कि यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो ई-रिक्शा शहर की यातायात व्यवस्था के लिए बड़ा संकट बन सकते हैं।

पीएनजी कनेक्शन वाले घरों में अब नहीं चलेगा एलपीजी सिलेंडर, 90 दिन में करना होगा सरेंडर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पाइप नैचुरल गैस (पीएनजी) के बढ़ते नेटवर्क के बीच अब प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। जिन घरों में पीएनजी गैस लाइन का कनेक्शन लग चुका है, वहां रहने वाले उपभोक्ताओं को अगले 90 दिनों के भीतर अपना एलपीजी सिलेंडर कनेक्शन सरेंडर करना होगा। इस फैसले से शहर के सैकड़ों ऐसे उपभोक्ता प्रभावित होंगे, जो अभी तक दोनों सुविधाओं का उपयोग कर रहे थे। प्रशासन के निर्देश के अनुसार एक घर-एक गैस कनेक्शन की नीति को सख्ती से लागू किया जाएगा। इसके तहत जिन क्षेत्रों में पीएनजी लाइन बिछ चुकी है या उपलब्ध है, वहां एलपीजी कनेक्शन बनाए रखने की अनुमति नहीं होगी। जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों और गैस कंपनियों को इस दिशा में कार्रवाई करने के निर्देश दे दिए हैं। जानकारी के मुताबिक गैस कंपनियों की टीम अब घर-घर जाकर उपभोक्ताओं से संपर्क करेगी और उन्हें पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित करेगी। साथ ही एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कराने की प्रक्रिया भी मौके पर ही पूरी कराई जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि पीएनजी गैस न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि यह एलपीजी की तुलना में अधिक सुरक्षित और किफायती भी है। शहर में फिलहाल 33 हजार से अधिक पीएनजी कनेक्शन सक्रिय हैं और करीब 70 प्रतिशत क्षेत्रों में पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है। प्रशासन का दावा है कि आने वाले महीनों में इसका दायरा और बढ़ेगा। ऐसे में शासन की मंशा साफ है कि एक ही घर में दोहरी गैस व्यवस्था को खत्म कर संसाधनों का बेहतर उपयोग निर्धारित किया जाए।

घोड़े, बैंड और ड्रेसकोड के साथ भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, स्थापना दिवस पर उज्जैन में निकली रैली

लोकशक्ति भवन से टॉवर चौक तक गूंजे नारे, महापौर घोड़े पर सवार, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी ने अपने 47वें स्थापना दिवस को उज्जैन में शक्ति प्रदर्शन के रूप में मनाया। सोमवार को फ्रीगंज स्थित लोकशक्ति भवन से शुरू हुआ आयोजन भव्य रैली में बदल गया, जिसमें नए और पुराने कार्यकर्ताओं की एकजुटता साफ नजर आई। इस दौरान जनसंघ से भाजपा तक की राजनीतिक यात्रा को याद किया गया।

कार्यक्रम की सबसे खास बात रैली में पहली बार लागू किया गया ड्रेसकोड रहा। पुरुष कार्यकर्ता सफेद परिधान में और महिलाएं केसरिया साड़ी-सूट पहनकर शामिल हुईं। बैंड-बाजे और आतिशबाजी के बीच निकली रैली ने पूरे शहर का ध्यान आकर्षित किया। रास्ते भर नारेबाजी और स्वागत का सिलसिला चलता रहा, जिससे माहौल पूरी तरह सियासी रंग में रंग गया। रैली में आकर्षण का केंद्र घोड़े भी रहे। सफेद घोड़े पर सवार होकर महापौर मुकेश टटवाल ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। टॉवर चौक तक पहुंचते-पहुंचते रैली का रूप और भव्य हो गया, जहां पुष्पवर्षा, पटाखों और मिठाइयों के साथ जश्न मनाया गया। इस दौरान विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम सभापति कलावती यादव, आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय, पूर्व विधायक पारस जैन सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। शहर के बाद अब पार्टी बूथ स्तर तक स्थापना दिवस के कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिससे संगठन को और मजबूती दी जाएगी।

सुपारी कांड के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुपारी देकर परिवार पर हमला करवाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से देसी कट्टा और जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। सुपारी देने वाला बदमाश हिस्ट्रीशीटर है।

नरवर थाना पुलिस ने बताया कि कुछ माह पहले क्षेत्र में रहने वाले अभिषेक परमार और उसके परिवार पर रास्ता रोककर हमला किया गया था। अभिषेक की शिकायत पर मामला दर्ज करने के बाद लाखन, कृष्णा अवतार, रंजीत, अर्जुन एवं विजय गुर्जर निवासी बलाई खेड़ा थाना भौरासा जिला देवास को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा बताया गया कि मुख्य आरोपी अजय परमार द्वारा फरियादी एवं उसके परिवार के हाथ-पैर तोड़ने हेतु 5 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी। पुलिस ने अजय को भी आरोपी बनाकर उसकी तरह शुरू की लेकिन वह लगातार फरार चल रहा था चार माह बाद सूचना मिलने पर पुलिस ने मुख्य आरोपीअजय पिता बाबूलाल उम्र 40 वर्ष निवासी सिलारखेड़ी, हाल मुकाम महाकाल वाणिज्य कॉलोनी उज्जैन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से 1 देशी कट्टा एवं 3 जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिस पर प्रकरण में धारा 25, 27 आयुध अधिनियम का इजाफा किया गया। नरवर थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी 18 मामले दर्ज है।

प्रेम विवाह करने वाले युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रेम विवाह करने वाले तीन बेटियों के पिता ने रविवार शाम जहर खा लिया था, पत्नी अस्पताल लेकर पहुंची थी। रातभर चले उपचार के बाद आज तड़के मौत हो गई। मृतक की मां ने पत्नी पर आरोप लगाया है। सांवेर के समीप ग्राम टिटावद में रहने वाले धर्मेन्द्र पिता सालिगराम सोनगरा ने वर्ष 2012 में पंवासा की रहने वाली सुनीता के साथ प्रेम विवाह किया था। तीन साल पहले सुनीता और धर्मेन्द्र ग्राम टिटावद छोड़कर पंवासा में रहने आ गए थे। प्रेम विवाह के बाद उनकी तीन बेटियां हुई थी। सभी पंवासा में रह रहे थे। सुनीता पुष्ठा फैक्ट्री में काम करने लगी थी वहीं धर्मेन्द्र मजदूरी कर रहा था। लेकिन कुछ समय पहले वह अपने गांव टिटावद लौट गया। जहां से रविवाद को पंवासा आया था और जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर पत्नी अस्पताल लेकर पहुंची जहां रातभर चले उपचार के बाद धर्मेन्द्र की मौत हो गई। सुबह पोस्टमार्टम के दौरान धर्मेन्द्र की मां रामकुंवरबाई ने बहू सुनीता पर गंभीर आरोप लगाया। उसका कहना था कि सुनीता के अवैध संबंध राजू नामक युवक से हैं। जिसको लेकर धर्मेन्द्र और सुनीता के बीच विवाद होता था। कुछ समय पहले राजू और धर्मेन्द्र के बीच मारपीट भी हुई थी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

प्रतिभावान खिलाड़ियों से राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री ओपी हरोड़ ने जानकारी दी कि संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण द्वारा विगत 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगीताओं में पदक विजेता जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों से वर्ष 2025 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए है। अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को 10 हजार रुपए, रजत पदक विजेता खिलाड़ी को 08 हजार रूपए और कास्य पदक विजेता खिलाड़ी को 06 हजार रुपए की खेलवृत्ति प्रदान किए जाने का प्रावधान है ।

वर्ष 2025 की खेलवृत्ति के लिए आवेदन दिनांक 31 मई 2026 तक स्वीकार किए जा सकेंगे। खेलवृत्ति के लिए आवेदन कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण विभाग, महानंदा खेल परिसर, उज्जैन से प्राप्त कर सकते है। दिनांक 31 मई 2026 के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा ।

खाना पकाने के लिए पाइप लाइन प्राकृतिक गैस सुरक्षित, भरोसेमंद और किफायती

पीएनजी के लाभ - उज्जैन वासियों के लिए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाना पकाने के लिए पाइपलाइन प्राकृतिक गैस सुरक्षित, भरोसेमंद और किफायती है। उज्जैन शहर में लगभग 70त्न जगह में भूमिगत नेचुरल गैस पाइपलाइन का नेटवर्क उपलब्ध है। इनमें से प्रमुख जगह जैसे महानंदा नगर, महश्वेता नगर, क्षिप्रा विहार, ऋषि नगर, इंद्रा नगर, वेद नगर, वसंत विहार, नानाखेड़ा सिंधी कॉलोनी, गीता कॉलोनी, सेठी नगर आदि हैं। जब आप पीएनजी को चुनते हैं तो आप एक समझदारी भरा निर्णय ले रहे हैं। आने वाले वर्षों में अपने आराम को बढ़ाएं और अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाएं। इस भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोत की बहुमुखी प्रतिभा और प्रदर्शन का अनुभव करें। पीएनजी के साथ आपको किसी भी विकल्प को चुनने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसकी विशेषताएं इसे घरेलू और व्यावसायिक दोनों उद्देश्यों के लिए सर्वोत्तम विकल्प बनाती हैं।

पीएनजी गैस कनेक्शन के फायदे-

1. प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकुल
2. सुविधाजनक (न बुकिंग की टैंशन, न उठाने और रखने की परेशानी)
3. एलपीजी सिलेंडरों द्वारा घेरी जाने वाली कीमती जगह भी बच जाती है।
4. किफायती (उपयोगकर्ता से उपयोग की गई पीएनजी की मात्रा के अनुसार शुल्क लिया जाता है
5. 24×7 सप्लाई (पाइपलाइन के माध्यम से लगातार असीमित सप्लाई)
6. सुरक्षित, क्योंकि पाइप से सप्लाई होती है तो कोई स्टोरेज नहीं, हवा से हल्की होने की वजह से लीक होने में एलपीजी की तरह जमाव नहीं होता, 3 सुरक्षा वाल्व कंपनी लगा के देती है। पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए आप अवंतिका गैस लिमिटेड कंपनी की वेबसाइड में जाके, त्तक्र कोड से या नीचे दिए नंबरों में कॉल करके कनेक्शन प्राप्त कर सकते है।

7470557727 श्री मोहित गुप्ता /
8989982577 श्री पीयूष लोडवाल/
9039355995 श्री विजय मालवीय/
6260690554 /श्री हरीश सोनी /
8103842674 श्री सीताराम/
9753242385 श्री मनमोहन वाडिया